रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

सोमवार

08 जून-2026

वर्ष 10, अंक 274

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश लौटने के लिए खुद सामने आ रहे अवैध प्रवासी

- बंगाल में रोज 200-300 लोगों का वेरिफिकेशन, बॉर्डर पर दोनों देशों में एक जैसा तनाव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की हकीमपुर चेकपोस्ट पर इन दिनों अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की भीड़ जुट रही है। ये लोग खुद अपनी पहचान बताकर बांग्लादेश लौटने की

इच्छा जता रहे हैं। हालांकि, सीमा सुरक्षा बल उन्हें सीधे सीमा पार भेजने के बजाय बायोमीट्रिक और अन्य पहचान पत्र लेकर बंगाल में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेज रही है। हकीमपुर बॉर्डर पर वेरिफिकेशन सेंटर पर रोजाना करीब 200 से 300 लोग वेरिफिकेशन के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें से कई लोग सालों पहले अवैध रूप से भारत आए थे और अब बदलते हालात के बीच अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कई लोगों के पास भारतीय दस्तावेज हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कागजात नहीं हैं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पहली बार ऐसी स्थिति बनी है जब अवैध प्रवासियों को तलाशने की जरूरत नहीं पड़ रही। लोग खुद वेरिफिकेशन कराने और अपनी पहचान दर्ज कराने के लिए चेकपोस्ट पर पहुंच रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, सुबह से शाम तक लोगों की लंबी कतारें लगी रहती हैं और वेरिफिकेशन में काफी समय लग रहा है। स्थानीय संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अध्यक्ष मोहर मंडल के अनुसार, वेरिफिकेशन कराने पहुंच रहे अधिकांश लोग बांग्लादेश के छह जिलों से हैं और अवैध रूप से भारत आए थे।

पार्टी का विलय कीजिए या किनारे लग जाइए !

- बीजेपी ने उपेन्द्र कुशवाहा को दे दिया सख्त 'मैसेज'

पटना (एजेंसी)। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश को भाजपा ने विधान परिषद चुनाव में टिकट क्यों नहीं दिया। एनडीए के सभी 9 प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। अब 8 जून को कोई चमत्कार हो जाए तो अगर बात है, लेकिन फिलहाल दीपक प्रकाश का मंत्री पद खतरे में पड़ गया नजर आ रहा है। छह महीने के अंदर किसी सदन के सदस्य बनने की संभावना अब धूमिल होती दिख रही है।

अभी जो सामने तस्वीर है उसके हिसाब से कुछ दिनों में उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भाजपा अब आर-पार के मूड में है। मार्च में जब राज्यसभा का चुनाव हो रहा था तब भाजपा ने उपेन्द्र कुशवाहा के सामने शर्त रखी थी कि यदि वे अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा का भाजपा में विलय कर लेते हैं तभी उनको राज्यसभा में और दीपक प्रकाश को विधान परिषद में भेजा जाएगा। उपेन्द्र कुशवाहा राज्यसभा में चले भी गये। भाजपा ने उनकी जीत को सुनिश्चित जीत के लिए चौथा उम्मीदवार बनाया था। कुशवाहा के लिए भाजपा ने खुद अपने उम्मीदवार शिवेश राम को पांचवां उम्मीदवार बना कर चुनौतियों से लड़ने के लिए छोड़ दिया था। भाजपा की इस दरियादिली के बाद भी रालोमो का भाजपा में विलय नहीं हुआ।

एक का सिर मुंडवाया, जूते की माला पहनाकर परेड निकाली

बंगाल में टीएमसी नेताओं पर फूट रहा लोगों का गुस्सा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद टीएमसी नेताओं के खिलाफ लोगों का गुस्सा सामने आ रहा है। कोलकाता में रविवार को गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके। वहीं, सोशल मीडिया पर दो और वीडियो वायरल हैं। एजेंसी ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें पुलिस से बचने के लिए एक नेता साड़ियों के नीचे छिपा मिला। दूसरा वीडियो नवादा का है। इसमें कटमनी वसूल करने वाले एक नेता का लोगों ने पहले सिर मुंडवाया। फिर जूते-चप्पल की माला पहनाकर उसकी परेड निकाली। ये वीडियो स्थानीय नेताओं ने शेयर किए हैं।

गिरफ्तार टीएमसी पार्षद की गाड़ी पर अंडे फेंके

कोलकाता में गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके। पाटुली थाने के बाहर भी उनके खिलाफ प्रदर्शन हुआ। कोलकाता नगर निगम के वार्ड-101 के पार्षद दासगुप्ता को शनिवार को उनके सहयोगी सौरव घोष के साथ गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर रंगदारी, धमकी, जबरन घुसपैठ और आग लगाने की कोशिश समेत कई आरोप हैं। स्थानीय वकील परमिता डे ने शिकायत में आरोप लगाया है कि दासगुप्ता ने घर में लीगल चैंबर खोलने के लिए 20 लाख रुपए मांगे थे।

रिश्वत लेने के आरोप में नेता का सिर मुंडवाया

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हावड़ा के अमरदाहा गांव में ग्रामीणों ने टीएमसी नेता सन्यासी मन्ना का सिर मुंडवाकर उन्हें जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। ग्रामीणों का आरोप है कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूलता था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मन्ना को भीड़ से छुड़ाया। पुलिस ने कहा कि आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल उनके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

वाराणसी में शहर से बाहर शिफ्ट होंगी मांस-मछली की दुकानें

सावन से पहले नगर निगम का अहम फैसला, सरकार भी ऐक्टिव

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी नगर निगम ने मांस और मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर ट्रांसफर करने का फैसला किया है। सावन से पहले नगर निगम ने यह कदम शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की मंशा से उठाया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउन हॉल भवन में बैठक हुई। इस बैठक में मांस और मछली की दुकानों को शहर से बाहर ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में वाराणसी के

विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मौजूद नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में पांच जगहों का चयन किया जा चुका है और यह सभी स्थान शहर की बाहरी सीमाओं के करीब हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता को कोई असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा गया है। श्रीवास्तव ने बताया कि योजना के तहत शहर के भीतर संचालित मांस की दुकानों को आगामी दिनों में रामनगर, शुजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्रों में ट्रांसफर किया जाएगा। जल्द ही इस पर काम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नगर निगम की बैठक में यह मामला वार्ड नंबर 100 के पार्षद गुलशन अली ने उठाया था।

'सिलेंडर' बिगाड़ेगा आपके रसोई का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें शनिवार रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर 913 से बढ़कर 942 का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर में फिर बढ़ोत्तरी, 29 रुपए महंगा हुआ

उज्जवला लाभार्थियों को 642 रुपए में मिल रहा सिलेंडर

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित रखती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है। यह छूट साल के पहले 4 सिलेंडरों पर लागू होती है, जिससे उन्हें एक सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपए का पड़ता है।

दुनिया में सबसे सस्ती कुकिंग गैस भारत में मिल रही

इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है।

होटल-रेस्टोरेंट के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 का हुआ

होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है। इसकी तुलना में घरेलू उपभोक्ता केवल 66 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान कर रहे हैं।

लागत 1600 पार, सरकार उठा रही प्रति सिलेंडर 700 का बोझ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत में एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत (कॉस्ट टू सप्लाई) 1,600 रुपए से ऊपर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 700 रुपए की अंडर-रिकवरी (नुकसान) हो रही है। इस अंडर-रिकवरी के अंतर को पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां झेल रही हैं, जिसकी आंशिक भरपाई सरकार द्वारा की जाती है।

मुख्यमंत्री आवास पर महागठबंधन की बड़ी बैठक, नेता बोले- कोई दरार नहीं

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच महागठबंधन की सभी सहयोगी पार्टियों की पहली संयुक्त बैठक रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर हुई। बैठक को राजनीतिक गलियारों में काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और सीपीआई (माले) के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ विधायक भी शामिल हुए। सीएम आवास पर आयोजित इस बैठक को डिनर डिप्लोमेसी के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक में राज्यसभा चुनाव की रणनीति, विधायकों की भूमिका और महागठबंधन की एकजुटता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद नेताओं ने दिया एकजुटता का संदेश-बैठक खत्म होने के बाद चारों दलों के नेता एक साथ सीएम आवास से बाहर निकले और मीडिया के सामने महागठबंधन की मजबूती का संदेश दिया। इस दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, राजद कोटे से मंत्री संजय प्रसाद यादव, झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय और सीपीआई (माले) के नेता चंद्रदेव प्रसाद ने पत्रकारों से बातचीत की। नेताओं ने साफ तौर पर कहा कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और गठबंधन के भीतर किसी तरह का मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन गठबंधन के सभी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

'महागठबंधन में कोई दरार नहीं'-मीडिया से बातचीत के दौरान नेताओं ने कहा कि महागठबंधन के भीतर किसी तरह की खाई या दरार की बात पूरी तरह निराधार है। सभी दल आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं और राज्यसभा चुनाव में दोनों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हैं। नेताओं ने कहा कि गठबंधन के विधायक पूरी मजबूती के साथ अपने उम्मीदवारों के समर्थन में खड़े हैं और चुनाव में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे दोनों उम्मीदवारबैठक के दौरान राज्यसभा चुनाव के नामांकन कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। महागठबंधन के नेताओं ने बताया कि सोमवार सुबह 11 बजे गठबंधन के सभी विधायक अपने दोनों उम्मीदवारों के साथ विधानसभा पहुंचेंगे। वहीं, तय कार्यक्रम के अनुसार दोनों उम्मीदवार विधानसभा में अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस दौरान महागठबंधन के सभी प्रमुख नेता और विधायक मौजूद रहेंगे।परिमल नाथवानी के सवाल पर झामुमो ने साधी चुप्पीबैठक के बाद जब पत्रकारों ने कारोबारी और पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी की संभावित उम्मीदवारी को लेकर सवाल पूछा तो झामुमो नेताओं ने इस पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मामला है या फिर भाजपा का विषय है। महागठबंधन इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता।

झारखंड राज्यसभा चुनाव 2026:

JMM और कांग्रेस में 1:1 फॉर्मूला पर सहमति, आज बड़ा अपडेट

झारखंड की दो राज्यसभा सीटों पर 18 जून को होने वाले चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ महागठबंधन (JMM-कांग्रेस) में पिछले दिनों चला तनाव समाप्त हो गया है। दोनों दलों ने 1:1 सीट शेयरिंग (एक-एक सीट) के फॉर्मूले पर पूर्ण सहमति व्यक्त कर दी है।

- JMM और कांग्रेस के बीच आज सुबह हुई बैठक में यह समझौता अंतिम रूप से तय हुआ। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस के ऑब्जर्वर भूपेश बघेल व अजय शर्मा शामिल थे।
- JMM ने पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम को अपना उम्मीदवार पहले ही घोषित कर दिया है। उनका नामांकन 8 जून को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में दाखिल किया जाएगा।
- कांग्रेस ने प्रणव झा (मल्लिकार्जुन खड़गे के करीबी और एआईसीसी सचिव) को अपना उम्मीदवार बनाया है।

चुनाव कार्यक्रम (ECI के अनुसार):-

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि: 8 जून 2026 – मतदान: 18 जून 2026

पृष्ठभूमि :- एक सीट शिबू सोरेन के निधन के कारण खाली हुई है।

- दूसरी सीट BJP के दीपक प्रकाश के कार्यकाल पूरा होने (21 जून 2026) के कारण खाली हो रही है।
- झारखंड विधानसभा IND गठबंधन के पास 56 विधायक हैं (JMMÑ 34, कांग्रेस: 16, अन्य: 6), जो दोनों सीटें आसानी से जीतने के लिए पर्याप्त हैं।

BJP अभी अपना उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है, हालांकि अर्जुन मुंडा, दीपक प्रकाश और गौरव वल्लभ जैसे नामों की चर्चा है। यह चुनाव महागठबंधन की एकता और झारखंड की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण है। गठबंधन की मजबूत संख्या बल के कारण दोनों सीटें INDIA ब्लॉक के खाते में जाने की संभावना प्रबल है।

अनोखा बाजार, यहां पुरुषों के लिए नो एंट्री !

महिलाएं चलाती हैं पूरा बाजार, 500 साल पुराना इतिहास

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर पिछले कुछ वक्त से लगातार चर्चा में रहा है। लेकिन यहां की राजधानी इंफाल के एक बाजार के बारे में आप नहीं जानते होंगे। इस बाजार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पर सभी दुकानें केवल महिलाएं ही रन करती हैं। इनकी संख्या भी कोई सौ-दो सौ नहीं है, बल्कि हजारों में है। यह महिलाएं, सब्जियों, मछली, मसालों, कपड़ों, हाथ से बने सामान, ज्वैलरी और घर के सामान की अन्य दुकानों पर बैठती हैं। यह सभी दुकानें सुबह-सुबह खुल जाती हैं और देर रात तक सामानों की खरीद-फरोख्त चलती रहती है।

5000 से अधिक महिला विक्रेता

अनुमान के मुताबिक आज इंफाल के इस बाजार में 5,000 से अधिक महिला विक्रेता काम करती हैं। अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बाजार का मैनेजमेंट पूरी तरह से महिलाएं ही संभालती हैं। इनमें से कई परिवारों में पीढ़ियों से स्टॉल विरासत में मिले हैं। कई दुकानें तो ऐसी हैं, जिन्हें मां ने अपनी बेटियों को सौंप दिया है।

इसे कहते हैं मां का बाजार

इस बाजार का नाम है, इमा कीथल। हिंदी में कहें तो मां का बाजार। माना जाता है कि यह सभी दुकानें 500 साल पुरानी हैं और एशिया में महिलाओं के सबसे बड़ी मार्केट के रूप में जानी जाती हैं। मणिपुर सरकार और विभिन्न ऐतिहासिक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि इस बाजार का इतिहास 16वीं सदी के राजा खागेम्बा से जुड़ा हुआ है। इतिहासकारों का मानना है कि बाजार का विकास आंशिक रूप से पुराने मणिपुरी 'लल्लूप-कबा' सिस्टम के चलते हुआ।

उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते का सवाल ही नहीं

- किम की बहन ने दिखाए तेवर, बोलीं-अमेरिका सपना देख रहा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर किसी समझौते की संभावना से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त मैसेज देते हुए उत्तर कोरिया की सीनियर अधिकारी किम यो ने कहा कि परमाणु शक्ति के रूप में हमारी स्थिति पर कोई बातचीत नहीं होगी। हम अमेरिका को बताना चाहते हैं कि उत्तर कोरिया किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा। किम यो जोंग को देश के संचार और विदेश नीति में अहम शख्सियत माना जाता है। रविवार को उनका बयान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उत्तर कोरिया यात्रा से ठीक पहले आया है।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा में खरीफ सीजन की तैयारी तेज, खेतों में बढ़ी हलचल

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा जिला महागामा प्रखंड क्षेत्र में कई दिनों से जारी उमस भरी भीषण गर्मी के बाद हुई झमाझम बारिश ने स्थानीय किसानों को बड़ी राहत दी है। जून के पहले सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलने और अच्छी बारिश होने से अन्नदाताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। खेतों में पर्याप्त नमी आते ही किसानों ने खरीफ सीजन के तहत धान की खेती की तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों का कहना है कि जून की शुरुआत में हुई यह बारिश धान की फसल के लिए संजीवनी साबित होगी। मिट्टी में सही नमी बनने के कारण खेतों में धान के बीज की बुआई और बिचड़ा (नर्सरी) तैयार करने का काम जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए क्षेत्र के किसान उन्नत किस्म के बीज, खाद और जरूरी कृषि उपकरणों की व्यवस्था में पूरी तरह जुट गए हैं। मौसम विभाग ने भी जून के शुरुआती दिनों में झारखंड के विभिन्न जिलों में गर्जना के साथ बारिश की संभावना जताई थी। इस बारिश से न केवल आम लोगों को तपती धूप से निजात मिली है, बल्कि कृषि कार्यों को भी एक नई गति मिली है। महगामा और इसके आस-पास के ग्रामीण इलाकों में खेती ही आजीविका का मुख्य जरिया है। ऐसे में समय पर पानी बरसने से बंपर पैदावार की उम्मीद जगी है। किसानों का मानना है कि अगर आगामी दिनों में भी नियमित बारिश जारी रही, तो इस साल धान का बेहतर उत्पादन होगा।

बारीगोड़ा फाटक में रेलवे ओवरब्रिज बनाने की मांग

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर स्थित बारीगोड़ा रेलवे फाटक में ओवर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर रविवार को पंचायत प्रतिनिधियों और बस्तीवासियों ने धरना प्रदर्शन किया। बस्तीवासियों ने विरोध में टायर जलाकर अपना आक्रोश जाहिर किया। बस्तीवासियों ने जमकर नारेबाजी भी की। पंचायत प्रतिनिधियों और बस्तीवासियों ने बताया कि बारीगोड़ा में रेलवे ओवर बनाने के लिए तीन साल पहले शिलान्यास हो चुका है। लेकिन शिलान्यास के बाद किसी तरह का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से वे नाराज हैं। रेलवे ने जल्द से जल्द ओवरब्रिज निर्माण को धरातल पर उतारने का वादा किया था। इसलिए रेलवे जल्द से जल्द योजना को धरातल पर उतारकर डेढ-दो लाख लोगों को राहत देने का काम करे। मुखिया सुनीता नाग ने बताया कि ओवरब्रिज का निर्माण जल्द नहीं होने से पूरे क्षेत्र के लोग शहर से कटे हुए हैं। बारीगोड़ा फाटक हमेशा बंद रहता है। जिसकी वजह से शहर की ओर जाने में बहुत दिक्कत होती है। इतना ही नहीं बस्ती क्षेत्र से किसी मरीज को अस्पताल ले जाने में बहुत परेशानी होती है। इसलिए जनहित को ध्यान में रखकर ओवरब्रिज का निर्माण जल्द शुरू किया जाना चाहिए। सुनीता नाग ने कहा कि अभी बस्तीवासी केवल सांकेतिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इसके बाद भी रेलवे द्वारा निर्माण कार्य को शुरू करने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

गढ़वा में 'आपन सरस्वतिया अभियान' तेज, नदी गंदा करने वाले लोगों और प्रतिष्ठान पर होगी कार्रवाई

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा की जीवनदायिनी सरस्वतिया नदी को प्रदूषण और अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने अधिकारियों की टीम के साथ सरस्वतिया नदी क्षेत्र का संयुक्त स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नदी की सफाई, डी-सिल्टिंग, अतिक्रमण मुक्ति और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई निर्देश दिए गए। अभियान के तहत नदी में गंदगी और अपशिष्ट बहाने वालों पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गढ़वा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार ने एसडीएम को रिपोर्ट सौंपी है कि चेतावनी के बाद भी कुछ लोग नदी को गंदा कर रहे हैं। ऐसे 13 व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जेपीएस स्कूल, आदर्श होटल, काजू पटवा का मिठाई गोदाम, ? अन्य नाम : -साजदा खातून, इसरार खान, नरेश बघेल, विंध्याचल कुंवर, संजय राम, रामचंद्र केसरी, बबलू सिंह, बबलू केसरी, कुंदन रजक और सुरेंद्र राम। एसडीएम संजय कुमार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सरस्वतिया नदी को प्रदूषित करने, उसमें गंदगी बहाने या सफाई अभियान में बाधा डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से भी नदी को साफ रखने में सहयोग करने और प्रदूषण फैलाने वालों की सूचना प्रशासन को देने की अपील की। एसडीएम ने बताया कि सरस्वतिया नदी से अतिक्रमण हटाने की कानूनी प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। मामलों की सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 जून निर्धारित की गई है। सुनवाई पूरी होने के बाद नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। वहीं, अंचलाधिकारी सफी आलम ने बताया कि 88 लोगों को जारी नोटिस के बाद अधिकांश लोगों ने खुद अतिक्रमण हटा लिया है, जबकि शेष मामलों में कानूनी कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में 'कॉकरोचों' के जमघट पर रांची में बोले बीजेपी सुप्रीमो नितिन नबीन, कहा-

विदेश में बैठे लोगों की कठपुतली नहीं हमारे युवा

रांची, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिल्ली में चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर इशारों ही इशारों में तंज कसा है। नितिन नबीन दो दिनों के झारखंड दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचे। यहां उन्होंने प्रबुद्ध नागरिक संवाद में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने उन लोगों को चेतावनी दी जो युवाओं को निगेटिव पॉलिटिक्स की ओर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का युवा पॉजिटिव पॉलिटिक्स करेगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस दौरान कहा कि आज का युवा देश के निर्माण के लिए काम करना चाहता है, अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए काम करना चाहता है। लेकिन कुछ लोगों ने इस देश के युवाओं को एंटी-एस्टैब्लिशमेंट नाम दे दिया है। मैं मानता हूं कि देश का युवा इनोवेशन और क्रिएशन के लिए जाना जाए। भारत का युवा अनुशासन के साथ देश के निर्माण के लिए काम करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग इस देश के युवाओं को निगेटिव पॉलिटिक्स के लिए ले जाना चाहते हैं, मैं उनको चेतावनी देता हूं कि भारत का युवा पॉजिटिव पॉलिटिक्स करेगा। हम लोकतंत्र के आधार पर निश्चित रूप से विरोध करेंगे, लेकिन लोकतंत्र के मापदंड को खत्म नहीं होने देंगे। आज 2 लाख स्टार्टअप बन चुके हैं, इतने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज बने हैं, हम देश को आईटी का हब बनाना चाहते हैं। तो ये कहीं न कहीं देश के युवाओं का पुरुषार्थ है, इसके बल पर हम ये काम करना चाहते हैं।

नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर ये सोच लेते हैं कि हम भारत के युवाओं को दिशा दे देंगे। भारत का युवा किसान के साथ चौपाल में रहता है, कोचिंग इंस्टीट्यूट में रहता है, कॉलेज कैंपस में रहता है। लेकिन भारत का युवा दिल्ली में बैठे कुछ लोगों की मुट्ठी की कठपुतली बनकर आगे नहीं बढ़ने वाला।

उन्होंने कहा कि आज देश के लोगों को एक बहुत बड़ा मैसेज मिला है कि डिजिटल का उपयोग सकारात्मक रूप से हो सकता है, डिजिटल का उपयोग देश और युवाओं के निर्माण के लिए हो सकता है। लेकिन डिजिटल का उपयोग देश की युवा क्रांति को निगेटिव दिशा में ले जाने के लिए नहीं हो सकता। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि आप सब को जागने की आवश्यकता है। अगर हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो हम सबको मिलकर काम करना होगा।

प्रबुद्ध नागरिक संवाद को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चाहे वह राजनीति हो या व्यक्तिगत जीवन कभी भी शॉर्टकट रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी शॉर्टकट आपको मंजिल तक नहीं पहुंचा सकता है, तत्काल राहत तो मिल सकता है मगर परिणाम हमेशा दुखद होता है। विकसित भारत ञ 2047 पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड को हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे। इस झारखंड को अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों का झारखंड बनाना है। हम ही झारखंड को उसकी विरासत और संस्कृति के साथ विकास के नए पायदान पर ले जाने का काम करेंगे।

नितिन नबीन ने प्रबुद्ध संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करती है आज कोई एक ईट फेंकता है तो हम उसका जवाब पत्थर से देते हैं। विश्व की कोई भी ताकत हो, हम देश की सुरक्षा से कभी समझौता नहीं कर सकते हैं रक्षा समानों का निर्यात कर रहे हैं, नक्सलवाद को समाप्त करने में हमारी सरकार सफल हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने देश को सांस्कृतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाया। राम मंदिर और काशी कॉरिडोर बनाकर देश की सांस्कृतिक धरोहर और मूल्यों को स्थापित कर इसे जीवंत रखा। मेडिकल के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। कई एम्स बनाये गए, कई मेडिकल कॉलेज खोले गए। कई आईआईटी, एकलव्य विद्यालय खोले गए हैं।

बसों के किराये में 15% बढ़ोतरी फिलहाल ठंडे बस्ते में

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर के भुइयांडीह जेपी सेतु बस पड़ाव से राज्य के अलग-अलग जिलों और बिहार जाने वाली बसों के किराये में प्रस्तावित 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी फिलहाल प्रभावी नहीं हो सकी है। ऑफ-सीजन और यात्रियों की कम संख्या के कारण अधिकांश संचालक अभी भी पुरानी दरों पर ही किराया वसूल रहे हैं।

टाटा-चाईबासा रूट पर यात्रियों से 100 रुपये के जगह पर 120 रुपये वसूले जा रहे हैं। जिसे लेकर बस स्टाफ और यात्रियों के बीच नोकझोंक हो रही है। जबकि जमशेदपुर से धनबाद, बोकारो और पुरुलिया जाने वाले यात्रियों के लिए फिलहाल कोई किराया वृद्धि नहीं की गई है। पुरानी दरों पर ही यात्रियों से किराया लिया जा रहा है।

एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक उपेंद्र शर्मा ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि डीजल की बढ़ती कीमतों और परिचालन खर्च में हुए इजाफे के कारण किराया बढ़ाना बस मालिकों की मजबूरी है। इसके लिए बाकायदा सर्कुलर भी जारी किया गया है।

दिल्ली पुलिस पहुंची जामताड़ा, आलू कारोबारी को थमाया नोटिस!

जामताड़ा, एजेंसी। दिल्ली वेस्ट साइबर थाना की पुलिस साइबर अपराध के एक मामले में शुक्रवार को जामताड़ा पहुंची। दिल्ली पुलिस ने जामताड़ा बाजार के एक आलू कारोबारी को नोटिस थमा कर चली गई। दिल्ली पुलिस का अचानक जामताड़ा थाना पहुंचना और व्यावसायिक के घर नोटिस तमिला कर चला जाना चर्चा का विषय बना हुआ है।

साइबर अपराध के एक मामले में दिल्ली वेस्ट साइबर थाना की पुलिस शुक्रवार को जामताड़ा थाना पहुंची। जहां जामताड़ा थाना की पुलिस के सहयोग से जामताड़ा बाजार के दीपक अग्रवाल नाम के एक आलू कारोबारी के यहां नोटिस थमा कर चली गई।

जानकारी के अनुसार, साइबर पुलिस स्टेशन वेस्ट दिल्ली में साइबर केस संख्या 181/26 कांड दर्ज है। जिस कांड के आलोक में दिल्ली पुलिस जामताड़ा पहुंची। जिस मामले में दिल्ली पुलिस ने जामताड़ा के रहने वाले व्यवसायी दीपक अग्रवाल सन ऑफ एसएल अग्रवाल के नाम से नोटिस थमा कर चली गई। दिल्ली पुलिस ने नोटिस के माध्यम से व्यवसायी को संबंधित मामले में उपस्थित होने का कहा है। हालांकि नोटिस में कितनी की साइबर ठगी से संबंधित मामला है इसका खुलासा नहीं किया गया है। दिल्ली पुलिस से ऐसे लेकर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

इस पूरे मामले को लेकर जामताड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो से संपर्क कर जानकारी ली गई। इसको लेकर उसने पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि दिल्ली वेस्ट साइबर पुलिस स्टेशन की पुलिस साइबर केस संख्या 186/26 के मामले में जामताड़ा पहुंची थी। जिस मामले से संबंधित एक नोटिस दीपक अग्रवाल सन ऑफ एस एल अग्रवाल बैंक रोड जामताड़ा को बीएनएसएस धारा 35 के तहत नोटिस तामिला कर चली गई।

रिम्स-2 जमीन विवादः चंपाई सोरेन ने की आंदोलन की घोषणा बोले-

अगले दस दिनों में सरकार के खिलाफ जुटेंगे लाखों लोग

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने नगड़ी में चल रहे रिम्स-2 के निर्माण के खिलाफ विशाल जन आंदोलन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अगले दस दिनों में लाखों आदिवासी-मूलवासी लोग नगड़ी के किसानों के समर्थन में जुटेंगे। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रांची में कई जगह सैकड़ों एकड़ जमीन उपलब्ध होने के बावजूद सरकार जिस प्रकार उपजाऊ भूमि से किसानों को उजाड़ने पर आमदा है, इससे उनकी मंशा स्पष्ट होती है।

यह सरकार एचईसी से सैकड़ों एकड़ जमीन ले चुकी है। दोबारा पांच सौ एकड़ से अधिक भूमि लेने की तैयारी में भी है, फिर वहां रिम्स-2 अस्पताल का निर्माण करवाने में क्या दिक्कत है? उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के लिए गांव-गांव में डुगडुगी बजाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही हर समर्थक से एक मुट्ठी चावल एवं दस रुपए का सहयोग लिया जाएगा।

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि रांची शहर आदिवासियों एवं मूलवासियों की जमीन पर बसा हुआ है। एचईसी ने 7,200 एकड़ जमीन ली, लेकिन प्लांट मात्र 500 एकड़ में बनाया। लॉ यूनिवर्सिटी के लिए सवा सौ एकड़ जमीन ली गई। इस तरह से ऐसे कई अधिग्रहण हुए। आज तक किसी भी मामले में किसी को पुनर्वास नहीं मिला। जब ॥श्चष्ट ने जमीनें वापस की, तो सरकार उसे रैयतों को वापस करने की जगह, उसे बेचने लगी। उन रैयतों को क्या मिला, जिनकी जमीनों पर यह सब बन रहा था?

उन्होंने कहा कि सन 1957-58 में हुए जिस अधिग्रहण की बात सरकार कर रही है, वह कभी पूरा ही नहीं हुआ। उस समय हुए विरोध के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ। श्रीकृष्ण सिंह ने इस प्रक्रिया को रोकने की बात कही थी। उसके बाद यह प्रक्रिया रुकी और स्थानीय किसान 2012 तक उस भूमि की मालगुजारी भी देते रहे। किसी ने मुआवजा नहीं लिया और खेती भी होती रही तो फिर अधिग्रहण पूरा कैसे हुआ?

नगड़ी मामले पर सभी नेताओं एवं आदिवासी संगठनों की चुप्पी के बीच चंपाई सोरेन के बयान ने सरकार पर गंभीर सवाल उठा दिया है। बता दें कि पिछले वर्ष पूर्व सीएम द्वारा नगड़ी आंदोलन की घोषणा के बाद सरकार ने सुरक्षा के भारी इंतजाम किए थे, उन्हें हाउस अरेस्ट भी किया गया था, लेकिन लाखों लोग जब उनके समर्थन में सड़कों पर उतरे तो सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े।

राजहरा स्टेशन पर मालगाड़ी डिरेल

रांची, एजेंसी। पलामू के राजहरा स्टेशन पर मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने (डिरेलमेंट) की घटना का असर रेल परिचालन पर पड़ा है। इस घटना के कारण रांची रेल मंडल से चलने वाली कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुचारू परिचालन को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों को रद्द करने तथा कई ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 18635 रांची-सासाराम एक्सप्रेस 5 जून 2026 को रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन संख्या 18636 सासाराम-रांची एक्सप्रेस 6 जून 2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी। इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। ट्रेन संख्या 14021 पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 5 जून को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय कोटशिला, बोकारो स्टील सिटी, राजाबेड़ा, गोमो, गया और सोन नगर होकर चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या 12877 रांची-नई दिल्ली गरीबरथ एक्सप्रेस भी 5 जून को परिवर्तित मार्ग मुरी, बोकारो स्टील सिटी, राजाबेड़ा, गोमो, गया और सोन नगर होकर संचालित की जाएंगी।वहीं ट्रेन संख्या 18009 सांतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस को भी बदले हुए मार्ग से चलाया जाएगा। यह ट्रेन मुरी, बोकारो स्टील सिटी, राजाबेड़ा, गोमो, गया, सोन नगर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सतना और कटनी मुड़वारा होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगी।

इसके अतिरिक्त ट्रेन संख्या 18101 टाटानगर-जम्मू तवी एक्सप्रेस को भी परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन मुरी, बोकारो स्टील सिटी, राजाबेड़ा, गोमो, गया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और चुनार होकर संचालित होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, डिरेलमेंट के बाद प्रभावित रेलखंड पर बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है। रेलवे की तकनीकी और इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंचकर ट्रैक को जल्द से जल्द सामान्य करने में जुटी हुई है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन को नियंत्रित तरीके से संचालित किया जा रहा है।रांची रेल मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) श्रेया सिंह ने कहा कि राजहरा स्टेशन पर हुई डिरेलमेंट की घटना के कारण कुछ ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रभाव पड़ा है। यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों को रद्द तथा कुछ के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। रेलवे की टीम बहाली कार्य में लगातार जुटी हुई है और स्थिति सामान्य होते ही परिचालन को पूर्ववत करने का प्रयास किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक सूचना अवश्य प्राप्त कर लें।रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति रेलवे की वेबसाइट, एनटीईएस ऐप या रेलवे हेल्पलाइन के माध्यम से जांचकर ही यात्रा के लिए स्टेशन पहुंचें।

बोकारो रेंज के आईजी ने पुलिस पदाधिकारियों संग की बैठक

बोकारो, एजेंसी। अपराध पर लगाम कसने और जनता की समस्याओं के निराकरण को लेकर शनिवार को बोकारो रेंज के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक की गई। जिसमें आईजी ने पुलिस पदाधिकारियों को संगठित अपराध पर हर हाल में रोक लगाने और जनता की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश दिया।

बोकारो रेंज के आईजी ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कहा कि जनता हमारे पास विकट परिस्थिति में आती है और उनकी समस्याओं को सुनकर उसका निराकरण किया जाना चाहिए। जिसका निर्देश जिले के तमाम थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया है। वहीं गैंगस्टर प्रिंस खान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अपराधियों का साम्राज्य अब धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और उनके गुर्गे सलाखों के पीछे पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसका साम्राज्य भी बहुत जल्द टूट जाएगा।

वहीं उन्होंने कहा कि बोकारो में पिछले दिनों पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र से लापता हुई पुष्पा मामले में झारखंड की डीजीपी सहित बोकारो एसपी को हाईकोर्ट जाना पड़ा, जो चिंता का विषय है। ऐसे में इस तरह की घटना दोबारा न हो इसको लेकर तमाम थाना प्रभारियों को निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अभी जिले में सभी डीएसपी का ट्रांसफर हुआ है और नए डीएसपी ने पदभार ग्रहण किया है। ऐसे में नई टीम के साथ पहली बैठक की गई है। जिसमें क्राइम कंट्रोल को लेकर रूपरेखा तैयार की गई है।

पूर्वी सिंहभूमः चाकुलिया के जंगल के काजू और साल के बीज बने ग्रामीणों की कमाई का जरिया

चाकुलिया, एजेंसी। चाकुलिया प्रखंड क्षेत्र में लगभग 3000 हेक्टेयर जमीन पर काजू के पौधे लगे हैं। वहीं 10 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर साल के जंगल पाए जाते हैं। इन जंगलों से मिलने वाले साल के बीज और काजू क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाते हैं। हालांकि वन विभाग द्वारा नीति निर्धारण नहीं होने से ग्रामीणों को कम मुनाफा होता है जबकि इस व्यवसाय से जुड़े हुए लोग ग्रामीणों से औने-पौने दाम पर खरीद कर अच्छा मुनाफा कमाते हैं।

चाकुलिया के जंगलों में साल के पेड़ फूलों से लदे हैं। मई और जून के महीने में साल के फूल हवा के झोंकों के साथ टूट कर नीचे गिरते हैं। फूलों के निचले हिस्से में फल होती है। ग्रामीण इन फूलों को इकट्ठा कर धूप में सुखाते हैं। फिर आग जलाकर फूलों की पंखुड़ियां को हटाते हैं। इसके नीचे मिलता है साल का बीज, जिसे साल का फल भी कहा जाता है। प्रखंड क्षेत्र के बर्डीकानपुर-कालापाथर, सोनाहातू, भातकुंडा, जमुआ, बड़ामारा, बिरदोह, चंदनपुर, कालियाम, बेंद, श्यामसुंदरपुर, मटियाबांधी में भरपूर मात्रा में साल के पेड़ पाए जाते हैं। इन साल के जंगलों से ग्रामीण खूब साल के फूल और बीज इकट्ठा करते हैं। उन्हें धूप में सुखाकर बीज निकाला जाता है और इस बीज को 25 से 30 रुपए की दर पर बाजार में बेच देते हैं। सिर्फ एक महीने के मेहनत से एक-एक परिवार को साल के बीजों को बेचकर 10 से 15 हजार रुपये का मुनाफा होता है।

ग्रामीण महिला फुलमनी हेंब्रम, छीता टुडू, दीपाली महतो, रजनी पातर आदि ने बताया कि जंगलों से वे साल के बीच चुनकर लाते हैं। इन्हें धूप में सुखाकर, जलाकर, तोड़कर तब साल के बीच मिलते है। बताया कि उनके घर तक पहुंचने वाले व्यवसायी ?25 में साल बीज की खरीदारी करते हैं जबकि चाकुलिया अथवा धालभूमगढ़ बाजार जाकर बेचने पर उन्हे प्रति किलो ?30 प्राप्त होते हैं।

वर्ष 1990 के पहले तक साल के बीजों की खरीदारी के लिए विभाग द्वारा निगम बनाया गया था। ग्रामीण साल बीज चुन कर वन विभाग द्वारा बनाए गए निगम को बेच देते थे। वन विभाग इन साल बीजों को दूसरे प्रदेशों में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाती थी। लेकिन वर्ष 1995-96 के बाद से अब खुले बाजारों में इसकी बिक्री की जाती है।

झारखंड में साल के पेड़ भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यहां से साल के बीच भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। अगर झारखंड सरकार द्वारा नीति निर्धारण कर अलग-अलग प्रखंडों में अथवा जिलों में प्रोसेसिंग की व्यवस्था कर दी जाती तो वन उपज का सीधा लाभ ग्रामीणों को मिलता। प्रोसेसिंग प्लांट खुलने से रोजगार का भी सृजन होता।

चाकुलिया वन क्षेत्र में 3000 हेक्टेयर भूमि पर काजू के जंगल है। इनमें से 2000 हेक्टेयर वन भूमि, जबकि 1000 हेक्टेयर रैयतों की भूमि है। जिनमें लगभग 50 हजार क्विंटल काजू का उत्पादन होता है। चाकुलिया के जंगलों से उत्पादित काजू की कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जाती है। ग्रामीण अपने-अपने क्षेत्र के जंगलों से काजू तोड़कर चोरी छिपे मुनाफाखोरों को बेच देते है। प्रतिवर्ष अप्रैल और मई के महीने में ग्रामीण क्षेत्र के महिला और पुरुष काजू बेचकर हजारों रुपए के मुनाफा कमाते हैं। बड़ा प्रोसेसिंग यूनिट होता तो ग्रामीणों का यह मुनाफा हजारों नहीं बल्कि लाखों रूपयों में होता। वन विभाग को भी लाभ होता और रोजगार सृजन अलग से होता।

वन विभाग की ओर से चाकुलिया, बहरागोड़ा और मानुषमुडिया में तीन काजू प्रोसेसिंग प्लांट लगाए गए थे। लघु काजू प्रोसेसिंग प्लांट से काजू निकालने में खर्च अधिक और बिजली की अधिक खपत से प्लांट बंद हो गए हैं। वन विभाग की ओर से नीति निर्धारण नहीं होने के कारण यहां उत्पादित काजू की पश्चिम बंगाल में 100 से 120 रुपये प्रति किलो की दर से कालाबाजारी कर दी जाती है। जिसे प्रोसेसिंग कर पश्चिम बंगाल के व्यवसायी 700 से 1000 रुपये प्रति किलोग्राम बेचते है। वर्ष 2006-07 तक काजू का टेंडर होता था। पहले चाईबासा उसके बाद जमशेदपुर वन प्रमंडल में टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जाती थी। जिससे वन विभाग को 5 से 8 लाख रुपए तक की वार्षिक कमाई होती थी। चाकुलिया स्थित मातापुर निवासी भारत पात्र ने बताया कि कई बार उन्होंने काजू का टेंडर लिया। इसके लिए उन्हें जमशेदपुर वन प्रमंडल कार्यालय जाना पड़ता था। टेंडर लेने के बाद लगभग एक से डेढ़ महीने तक उनकी टीम काजू के जंगलों की पहरेदारी करती थी। फिर काजू इकट्ठा कर उसकी बिक्री की जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

एमजीएम अस्पताल की पानी की समस्या होगी दूर

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के डिमना स्थित नए एमजीएम अस्पताल परिसर में पेयजल की जो समस्या थी, वह अब जल्दी ही खत्म होने वाली है। सुवर्णरेखा नदी से अस्पताल तक लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने के मार्ग में आ रही सभी तकनीकी बाधाएं दूर हो गई है। जिला प्रशासन की पहल पर विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने स्थल निरीक्षण कर पाइपलाइन के लिए रूट को अंतिम रूप दे दिया है। डीसी राजीव रंजन के निर्देश पर एनएचएआई, मानगो नगर निगम, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, विद्युत आपूर्ति विभाग, मानगो अंचल, गेल, जुस्को और टाटा स्टील के अधिकारियों ने डिमना चौक स्थित निर्माणाधीन फ्लाइओवर का संयुक्त निरीक्षण किया। टीम ने पिलर संख्या 175 और 176 के पास से पाइपलाइन गुजारने का निर्णय लिया और इसे हरी झंडी दे दी। ठेका कंपनी 'मेसर्स मदन लाल बजाज कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड' अब सोमवार 8 जून से धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करेगी।

गोड्डा के सरवा गांव में पुलिस का जन संवाद, सुनीं लोगों की शिकायतें

पोड़ैयाहाट, एजेंसी। गोड्डा के पोड़ैयाहाट थाना अंतर्गत सरवा गांव में पुलिस और आम जनता के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस इंस्पेक्टर मधुसूदन मोदक और थाना प्रभारी महावीर पंडित ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। जन संवाद के दौरान ग्रामीणों ने गांव में शराब बिक्री, तेज रफ्तार गाड़ियों और चोरी जैसी समस्याओं को पुलिस के सामने रखा। पुलिस अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया। इंस्पेक्टर मधुसूदन मोदक ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य सजा देना नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा और मदद करना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे पुलिस को अपना दोस्त समझें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। पुलिस ने ग्रामीणों को साइबर क्राइम से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि ओटीपी, पासवर्ड और बैंक डिटेल किसी से साझा न करें। किसी भी तरह के ऑनलाइन फ्रॉड की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। साथ ही आपात स्थिति में डायल 112 सेवा का उपयोग करने की जानकारी दी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध है और घटनास्थल पर त्वरित पुलिस सहायता पहुंचाती है।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम और अधीक्षक उत्पाद, पश्चिमी सिंहभूम के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम ने तांतनगर ओपी और मंझारी थाना क्षेत्र के ग्राम खड़िया सिन्दरी में छापेमारी कर दो अवैध चुलाई शराब निर्माण स्थलों को ध्वस्त कर दिया। छापेमारी के दौरान टीम ने शराब बनाने के लिए रखे गए करीब 700 किलोग्राम किण्वित जावा-महुआ तथा 20 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की। जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि संचालित दोनों अवैध भट्ठियों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। इस मामले में भट्ठी संचालकों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उपायुक्त के निर्देशानुसार लाइसेंसी शराब दुकानों की निगरानी के तहत यशोदा टॉकीज के पास स्थित कंपोजिट शराब दुकान का भी औचक निरीक्षण किया गया।

रामगढ़ में साइबर ठगों ने स्कूल प्रिंसिपल को बनाया शिकार

रामगढ़, एजेंसी। आर्मी स्कूल रामगढ़ के प्रिंसिपल के मोबाइल को हैक कर साइबर अपराधियों द्वारा 40 हजार रुपये की अवैध निकासी किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राचार्य पंकज कुमार जैन ने साइबर थाना को बताया कि दो दिन पहले उनके मोबाइल पर केवाईसी अपडेट कराने के संबंध में एक फोन आया था। उन्होंने कॉल करने वाले को बताया कि वह बैंक जाकर केवाईसी अपडेट करा लेंगे। इस पर आरोपी ने कहा कि एक्सिस बैंक में केवाईसी अपडेट कराने की लास्ट डेट है और दो घंटे बाद यह प्रक्रिया बंद हो जाएगी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी। स्कूल की बैठकों और अन्य कार्यों में व्यस्त रहने के कारण उन्होंने फाइल डाउनलोड कर ली। फाइल डाउनलोड करते ही साइबर अपराधियों ने उनका मोबाइल हैक कर लिया और बैंक खाते से 40 हजार रुपये की निकासी कर ली। खाते से रुपये कटने का संदेश मिलने के बाद उन्होंने बैंक और पुलिस को सूचना दी। बैंक और पुलिस की तत्परता से खाते को तत्काल लॉक कर दिया गया। साइबर सेल ने उन्हें मोबाइल सुरक्षा से जुड़े जरूरी सुझाव भी दिए।

मादक पदार्थों के निर्माण की सबसे प्रमुख फसल अफीम पर पिछले तीन सालों में झारखंड में तगड़ी कार्रवाई

37 हजार एकड़ में लगी फसल को पुलिस ने किया नष्ट

रांची, एजेंसी। मादक पदार्थों के निर्माण की सबसे प्रमुख फसल अफीम पर पिछले तीन सालों में झारखंड में तगड़ी कार्रवाई की गई है। आंकड़े बताते हैं कि तीन साल में 37 हजार एकड़ में लगी फसल को पुलिस बल के द्वारा नष्ट किया गया। अफीम के अलावा ब्राउन शुगर जैसे मादक पदार्थों पर भी तीन सालों में जबरदस्त कार्रवाई की गई है।

सीआईडी से मिले आंकड़े यह बताते हैं कि साल 2023 से लेकर 2026 के मई महीने तक झारखंड में रिकार्ड 37 हजार एकड़ में लगी अफीम की फसल नष्ट की गई। झारखंड के मुख्य अफीम उत्पादन वाले जिले चतरा, खूंटी, रांची, लातेहार, पलामू, हजारीबाग जैसे जिलों में ही अफीम तस्करों का 100 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है।

सीआईडी के आंकड़ों के अनुसार झारखंड के 14 जिलों में अभियान चलाकर रिकॉर्ड अफीम नष्ट किया गया है। पिछले 3 साल में न सिर्फ अफीम की फसल नष्ट की गई बल्कि नारकोटिक्स एक्ट के तहत लगभग 500 मुकदमे दर्ज किए गए और 315 से ज्यादा लोगों को जेल भी भेजा गया।

झारखंड का खूंटी जिला अफीम को लेकर वर्षों से बेहद बदनाम रहा है। खूंटी के दुर्गम इलाकों का फायदा उठा कर अफीम तस्कर हर हाल सैकड़ों एकड़ में अफीम की फसल लगाने में कामयाब हो जाते हैं। पिछले 3 साल के दौरान पुलिस की कार्रवाई में सबसे ज्यादा अफीम खूंटी में ही नष्ट की गई।

पिछले तीन साल में खूंटी जिला में 17 हजार एकड़ में लगी अफीम की फसल नष्ट कर पूरे राज्य में पहले नंबर पर है। खूंटी पुलिस के द्वारा 3 साल में सबसे ज्यादा तस्करों को

गिरफ्तार किया गया और 100 से ज्यादा पर एफआईआर भी दर्ज किया गया। वहीं पिछले तीन साल में अफीम नष्ट करने के लिए मामले में झारखंड का चतरा जिला दूसरे स्थान पर है। साल 2023 से लेकर अप्रैल 26 तक चतरा में लगभग 7000 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया गया 35 से ज्यादा लोगों को जेल भेजा गया।

सीआईडी के आंकड़े बताते हैं कि अफीम तस्करों के द्वारा उगाई गयी फसल को नष्ट करने, डोडा और तैयार अफीम जब्त करने की वजह से तस्करों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। आंकड़ों के अनुसार साल 2022 से 2026 तक तैयार अफीम 84 केजी जिसकी कीमत बाजार में 84 करोड़ है। डोडा और पोस्ता 42 हजार केजी जिसकी कीमत 22 करोड़ है, जिन्हें नष्ट किया गया। यानी केवल बरामदगी का आंकड़ा ही तीन सालों में 100 करोड़ को पार कर गया।इसके अलावा 37 हजार एकड़ अफीम की फसल भी नष्ट की गई। यानी पिछले चार साल में अफीम तस्करों को 200 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है।

सीआईडी के आंकड़ों के अनुसार साल 2021 से लेकर साल 2022 के तक झारखंड में मादक पदार्थों को लेकर कुल 2294 केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें 525 लोग गिरफ्तारी की गई। वहीं अगर बरामदगी की बात करें तो डोडा - 96475।049 किलो, पोस्ता -1864।95 किलो, तैयार अफीम- 12471।923 किलो और अफीम पाउडर- 19 केजी बरामद हुए जबकि 2885।73 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया गया।

अब अफीम की खेती वर्ष के दौरान झारखंड में अफीम की खेती रोकने के लिए सीआईडी की तरफ से एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत अंतिम प्रभावित जिलों में प्री कल्टीवेशन अभियान को लॉन्च किया गया है। इसके तहत जिन इलाकों में अफीम की खेती पूर्व में की जाती थी और जिन खेतों में लगे अफीम की फसल को नष्ट किया गया था वैसे तमाम जगह का सत्यापन किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन क्षेत्रों में अफीम की खेती के लिए कोई तैयारी नहीं की जा रही है।

सीआईडी के पत्र के अनुसार रांची, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, पलामू, लातेहार और पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा के साथ-साथ सरायकेला खरसावां जिला को इस अभियान में शामिल किया गया है। सीआईडी के पत्र में यह बताया गया है कि अभियान के दौरान पिछले वर्ष अफीम की खेती के खिलाफ दर्ज मामलों की समीक्षा करना है। साथ ही साथ वांटेड आरोपियों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित करना है।

अफीम कांड में फरार व्यक्तियों के खिलाफ कुर्की जब्ती की कार्रवाई को भी सुनिश्चित करना है। पत्र में प्रभावित जिलों के एसपी को अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है। इस दौरान विशेष रूप से यह प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया गया है कि अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परिमल नथवानी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, कहा- राज्यसभा चुनाव को लेकर नहीं हुई कोई बात

रांची, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव को लेकर झारखंड की राजनीति के केंद्र अभी कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री का आवास बना हुआ है। शुक्रवार से लेकर शनिवार तक यह भवन कई सियासी हलचल का गवाह बना। अपने सहयोगी पार्टी कांग्रेस के सामने तल्ख तेवर दिखाने के बाद आज शनिवार दोपहर बाद कांग्रेस के राज्यसभा आब्जर्बर भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने सीएम से मुलाकात की। वहीं देर रात झारखंड से ही राज्यसभा सदस्य रह चुके परिमल नथवानी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की।

हालांकि मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकले उद्योगपति ने मीडिया से कुछ देर के लिए मुखातिब हुए। जिस पर उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर सीएम से कोई बात नहीं हुई है, यह एक शिष्टाचार भेंट थी। इसके बावजूद यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं कि वर्तमान में जब परिमल नथवानी के नाम से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारी के नामांकन का पर्चा खरीदा गया है। आज की मुलाकात के केंद्र में राज्यसभा चुनाव न हो, ऐसा होने की संभावना कम ही है।

परिमल नथवानी से मुख्यमंत्री की मुलाकात पर कुछ भी कहने से इनकार करते हुए मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि आज हमलोग बैठकर बैद्यनाथ राम को जीत दिलाकर राज्यसभा भेजने की रणनीति बनाई। दूसरी सीट को लेकर हमारे केंद्रीय अध्यक्ष क्या फैसला लेंगे, इसके लिए इंतजार कीजिये। क्योंकि हमलोगों ने सर्वसम्मति से दूसरी सीट के लिए भी फैसला लेने के लिए अपने केंद्रीय अध्यक्ष को अधिकृत कर दिया है। जब मंत्री से पूछा गया कि कांग्रेस के नेता तो सीएम से मुलाकात के बाद अपनी जीत को लेकर आश्वस्त लग रहे थे। इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि कांग्रेस की बात कांग्रेस जाने।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, 599 वाहन चालकों का लाइसेंस होगा निलंबित

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में यातायात नियमों का लगातार उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने 599 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने की अनुशंसा की है।

ट्रैफिक एसपी रांची राकेश सिंह ने संबंधित वाहन चालकों की सूची जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को भेजत हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। भेजे गए पत्र में कहा गया कि इन वाहन चालकों ने मई महीने में यातायात नियम का उल्लंघन किया है।

पत्र में यह भी कहा गया कि इसमें कई ऐसे वाहन चालक हैं, जिन्होंने कई बार यातायात नियम तोड़ा और जुर्माने की रकम भी जमा नहीं की है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से मई महीने तक 4339 वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबित करने की अनुसंशा की गई है। ट्रैफिक पुलिस

की जांच में पाया गया कि सबसे अधिक मामले दो पहिया वाहनों पर बिना हेलमेट पीलियन राइडर (पीछे बैठने वाले व्यक्ति) के यात्रा करने और रेड लाइट जंपिंग के हैं। पीलियन राइडर की संख्या 219 है। जबकि रेड लाइट जंपिंग वाले 173 वाहन चालक हैं।

इसके अलावा नो-पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने, सीट बेल्ट नहीं लगाने और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले भी सामने आए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बार-बार नियम तोड़ने वाले चालकों की पहचान सीसीटीवी कैमरों, ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम और ई-चालान रिकॉर्ड के आधार पर की गई है। कई वाहन चालक ऐसे पाए गए, जिन्होंने बार-बार चालान होने के बावजूद अपनी आदतों में सुधार नहीं किया। रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे लोगों की जान-माल को खतरा बना रहता है। ऐसे में नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सख्त कार्रवाई आवश्यक हो गई है। ट्रैफिक विभाग का मानना है कि लाइसेंस निलंबन जैसी कार्रवाई से वाहन चालकों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित होंगे।

पूर्वी सिंहभूम के आम विदेश में होंगे एक्सपोर्ट, किसानों को मिलेंगे अच्छे दाम

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के किसानों द्वारा उत्पादित रसीले आम अब सिर्फ झारखंड में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोगों को मिलेंगे। जिला प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत, जिले के किसानों द्वारा उत्पादित आमों को बाजार दिलाने की पहल की गई है, साथ ही आम महोत्सव के जरिए आमों के बारे में किसानों को जागरूक कर पहचान दिलाने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम, पटमदा, घाटशिला, मुसाबनी इलाकों में किसान बड़े पैमाने पर आम की खेती कर रहे हैं, जिसमें लंगड़ा, बैगनपिल्ली, देसी, आम्रपाली, हिमसागर, मलिक्का और बनाना आम का उत्पादन होता है।

पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त राजीव रंजन ने किसानों के उगाए आमों को पहचान दिलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि बनाना आम का नाम बदलकर उसे अब आदिवासी नाम दिया गया है, अब इसे कायरा आम के नाम से जाना जाएगा।

उन्होंने बताया कि किसान मल्लिका, आम्रपाली, लंगड़ा और कई दूसरी वैरायटी के आम उगा रहे हैं।

आमों की क्वालिटी की वजह से विदेशी व्यापारी भी यहां आ रहे हैं। हमारा मकसद है कि आम महोत्सव के जरिए किसानों को बेहतर दाम मिलें और विदेशी व्यापारी भी आकर्षित हों, उन्हें एक प्लेटफॉर्म मिले। हमारी कोशिश है कि यहां उगाए गए आम यूरोपियन यूनियन और दूसरे देशों तक पहुंचें, लोग यहां उगाए गए आमों का स्वाद चख सकें और झारखंड को अच्छे आमों के उत्पादक के तौर पर पहचान मिले।

जो किसान अपने आम लेकर आए हैं, वे भी खुश हैं कि उनके आमों को पहचान मिल रही है। कमला महतो बताती हैं कि उपायुक्त ने उनके बनाना आम का नाम रखा है, जो आदिवासी भाषा पर आधारित है और अब इसे कायरा आम के नाम से जाना जाएगा। हमें आम की पैदावार के लिए पूरा सपोर्ट मिल रहा है, जिससे हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

किसानों को बेहतर आम उगाने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिसमें उन्हें रखवाली करना और सुरक्षित रखने की ट्रेनिंग दी जा रही है। किसानों को आम बेचने में मदद करने वाले मो। हामिद बताते हैं कि जिले के आम अब विदेश में एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार किए जा रहे हैं, और लोग यहां पैदा होने वाले आमों का बेसब्री से इंतज़ार करेंगे।

रांची के डोरंडा में चल रहा था जुआ का अड्डा, छापेमारी में दस गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। राजधानी की पुलिस ने अवैध रूप से जुआ खेलने वालों के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने रांची के डोरंडा में छापेमारी कर एक साथ 10 को गिरफ्तार किया है। सभी जुआ खेल रहे थे।

क्या है पूरा मामला : रांची के डोरंडा थाना की पुलिस ने कुसई कॉलोनी स्थित अर्ध निर्मित मकान में छापेमारी कर जुआ खेलते हुए दस लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तम महतो, बिट्टू तिर्की, अजय तिर्की, विजय तिर्की, राहुल कच्छप, जेवियर लकड़ा, शुभम कुमार, प्रवीण कुमार, अवधेश पांडेय और संजीत कुमार राम शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 53 हजार कैश के अलावा ताश की पत्ती बरामद की है।

एसएसपी की सूचना पर कार्रवाई : रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि रांची एसएसपी राकेश रंजन को कुसई कॉलोनी में जुआ खेलने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद डोरंडा पुलिस की टीम ने कुसई कॉलोनी स्थित अर्ध निर्मित मकान में शुक्रवार की रात छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे सभी युवक भागने लगे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया, भागने के क्रम में आरोपी संजीत कुमार राम जमीन पर गिर गया, उसका सिर भी फट गया। हालांकि पुलिस की टीम उसे अस्पताल ले गई। इलाज कराने के बाद सभी आरोपियों को शनिवार को जेल भेज दिया गया।

बोकारो पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

बोकारो, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने एक दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। जहां उनका रांची से बोकारो आने के क्रम में भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। बोकारो पहुंचने पर नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर भाजपा के तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनको फूल गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

इस दौरान नितिन नवीन सभी कार्यकर्ताओं से गाड़ी से उतरकर बारी-बारी मिले। इस दौरान कार्यकर्ताओं में जोश हाई दिखा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के बोकारो आने से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले वह यहां 15 दिनों के प्रवास में रह चुके हैं। ऐसे में उन्हें जातिगत समीकरण से लेकर मजबूती और कमजोरी की जानकारी है। सभी ने दावा किया कि आने वाले समय में झारखंड के साथ बोकारो में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित अपनी मौसी के आवास पहुंचे। उनकी बड़ी मौसी शोभा रानी लाल का हाल ही में निधन हो गया था। बोकारो पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। वह करीब आधे घंटे तक परिवार के सदस्यों के साथ रहे। उनका अपनी बड़ी मौसी के साथ बहुत ही आत्मीय संबंध था। नितिन नवीन ने इस दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी मौसी के नाम पर एक पेड़ भी लगाया।

एसयूवी से टकराकर पलट गई कार, हादसे में पिता-पुत्र की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। जिला में डुमरी थाना क्षेत्र के जामताड़ा पंचायत अंतर्गत पिपराडीह ओवरब्रिज के समीप शनिवार को सड़क हादसा हो गया। जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी है।

दरअसल, देवघर से रांची जा रही एक कार (मिनी एसयूवी) ने बाइक को धक्का मार दी। बाइक को धक्का मारने के बाद कार ने सामने से आ रही एसयूवी को धक्का मारा और पलट गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार एक बच्चे की मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहे पिता की मौत इलाज के लिए धनबाद ले जाने के दौरान हो गई। मृतकों में खाखीकला निवासी अब्बू हयात और उसका छह वर्षीय पुत्र अमीनुल की मौत हो गई। जबकि अब्बू हयात की पत्नी रूबेना खातून तथा पुत्री अलीना परवीन घायल है।

इस हादसे को लेकर बताया गया कि अब्बू हयात अपनी पत्नी के साथ पुत्र एवं पुत्री को लेकर बेरगी जा रहे थे। पिपराडीह के पास कार ने बाइक को धक्का मार दिया। इसके बाद दूसरी एसयूवी से जा टकरायी। दो कारों और एक बाइक के बीच हुई इस भीषण टक्कर से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

इस दुर्घटना के बाद कुछ समय तक सड़क पर

यातायात भी बाधित रहा। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि चिकित्सक ने अमीनुल को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल अब्बू को रेफर कर दिया गया। इलाज के लिए ले जाने के दौरान अब्बू ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है।

इस घटना की सूचना मिलते ही डुमरी एसडीपीओ आबिद खान और थाना पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। दुर्घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। बताया जाता है जिस वाहन से धक्का लगा वह किसी पहुंच वाले व्यक्ति का है।

एक ही परिवार के पिता और पुत्र की मौत से खाखीकला गांव समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष जांच कराने तथा ओवरब्रिज के पास यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

इस संबंध में डुमरी एसडीपीओ आबिद खान ने बताया कि सड़क दुर्घटना में कुल दो लोगों की मौत हुई है। साथ ही बताया कि छह वर्षीय अमीनुल की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि उसके पिता अब्बू हयात की धनबाद ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। एसडीपीओ ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया गया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में संदिग्ध हालत में मिला अधेड़ का शव, लू लगने की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में एक व्यक्ति का संदिग्ध हालत में सड़क किनारे जला हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों को आशंका है, कि तेजाब डालकर हत्या की गई है। जबकि गांव के मुखिया और मृतक के पुत्र का कहना है, लू लगने से मौत हुई है। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र साठोपुर नहर के निकट मकई के खेत की है। संदिग्ध हालत में मिली अधेड़ की लाश : मृतक की पहचान थाना क्षेत्र बियावानी गांव निवासी स्व। बसंत रविदास के 50 वर्षीय पुत्र कैलू रविदास के तौर पर किया गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में गांव के मुखिया प्रमोद यादव ने कहा कि मजदूर का कार्य कर दोपहर को घर लौट रहा होगा, उसी दौरान हीट स्ट्रोक की वजह से गिरकर मौत हो गई। जब शाम को गांव के लोग मवेशी लेकर खेत की ओर जा रहे थे, तभी शव देखा जिसके बाद गांव की यह बात आग की तरह फ़ैल गई। सैकड़ों की संख्या में गांव वालों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। कैलू रविदास अपने पीछे पत्नी और 5 संतान छोड़ गए हैं। इनमें दो बेटा एवं तीन बेटी शामिल है। अभी किसी की शादी नहीं हुई है। वहीं, घटना के संबंध में मृतक के पुत्र मनन कुमार ने बताया कि पिता हर रोज की तरह आज सुबह भी घर से नाश्ता कर मेहनत मजदूरी के लिए घर से निकले थे।

27 जिलों में 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट, बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के 27 जिलों में 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। राज्य में इन दिनों मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। राज्य के कई जिलों में एक ओर जहां बारिश हो रही है, वहीं कुछ जिलों में अब भी भीषण गर्मी का असर बना हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान रोहतास के डेहरी में राज्य का सबसे अधिक तापमान 43 ।6 दर्ज किया गया। इसके अलावा बक्सर, कैमूर, छपरा और पटना समेत कई जिलों में भी तापमान सामान्य से ऊपर रहा। वहीं इस दौरान आकाशीय बिजली से जमुई, मुंगेर, बांका और बक्सर में एक-एक लोगों की मौत हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार के अलग-अलग हिस्सों में मौसम की स्थिति एक जैसी नहीं है। उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है। वहीं दक्षिण-पश्चिम बिहार के कुछ हिस्सों में अभी भी गर्म और शुष्क हवाओं का असर बना हुआ है। यही कारण है कि एक ओर किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और दरभंगा जैसे इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि दूसरी ओर रोहतास, कैमूर और बक्सर में तापमान ज्यादा है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश प्री-मानसून गतिविधियों का हिस्सा है। बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण बादल बन रहे हैं और कई इलाकों में बारिश हो रही है। यदि यही स्थिति बनी रहती है तो अगले कुछ दिनों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार हो सकती हैं। मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली और तेज हवा को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की अपील की गई है।

कटिहार में कोसी नदी किनारे देसी शराब की मंडी, उत्पाद अधीक्षक जांच में जुटे

कटिहार, एजेंसी। बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू हुए करीब 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं। राज्य सरकार लगातार इसे अपनी बड़ी उपलब्धि बताती रही है, लेकिन कटिहार जिले से सामने आई तस्वीरें शराबबंदी के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। जिले के कोसी बांध और नदी किनारे खुलेआम देसी शराब की बिक्री होने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोसी नदी किनारे देसी शराब की बिक्री : वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि कोसी नदी के किनारे नियमित रूप से देसी शराब की मंडी सजती है। यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर शराब खरीदते हैं और उसका सेवन करते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बड़ी संख्या में युवा भी इस नशे की चपेट में दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, 'कई युवक शराब पीने के बाद कोसी नदी के आसपास और पानी के किनारे समय बिताते हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद यह अवैध कारोबार लंबे समय से जारी रहने की बात कही जा रही है। 'इस पूरे मामले ने जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कोसी बांध जैसे सार्वजनिक क्षेत्र में खुलेआम शराब की बिक्री होने के आरोपों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर प्रशासन की नजर इस गतिविधि पर क्यों नहीं पड़ी। लोग पूछ रहे हैं कि क्या यह केवल लापरवाही है या फिर इसके पीछे कोई और वजह है। मामले पर उत्पाद अधीक्षक सुभाष कुमार सिंह ने कहा कि यह बहुत गलत बात है। शराब की बिक्री सामाजिक और नैतिक, दोनों ही गलत है।

बेगूसराय में संभावित बाढ़ की तैयारी

80 राहत शिविर, 228 जगहों पर सामुदायिक रसोई केंद्र बनाने की योजना

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय जिला प्रशासन ने संभावित बाढ़ को लेकर तैयारियां तेज कर दी है। डीएम श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ एवं आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा की गई है। बैठक में अलग-अलग विभागों की ओर से की गई तैयारी, संसाधनों की उपलब्धता, राहत एवं बचाव कार्यों की रणनीति और संवेदनशील क्षेत्रों में की जा रही व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया गया।

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा जिले के सभी नगर निकायों में आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 162 स्थायी एवं अस्थायी प्याऊ संचालित किए जाने की जानकारी दी गई। इसमें बेगूसराय नगर निगम, बरौनी, बीहट, तेघड़ा, बलिया और बखरी नगर परिषद क्षेत्र शामिल है। डीएम ने सभी प्याऊ केंद्रों के नियमित संचालन एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से संभावित आपदा के दौरान त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक तैयारी की गई है। सदर अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक 94 बेड की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त 22 चलंत चिकित्सा दल और 55 एंबुलेंस को विभिन्न क्षेत्रों में तैनात रखने की योजना बनाई गई है। जिससे आपातकालीन स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सके।

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 3542 खराब चापाकलों में से अब तक 2421 की

मरम्मती का कार्य पूरा कर लिया गया है। बेगूसराय एवं तेघड़ा प्रमंडल के भू-जल स्तर की स्थिति का विश्लेषण किया गया। शेष चापाकलों की मरम्मती शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

जल संसाधन विभाग द्वारा संभावित कटाव एवं बाढ़ से सुरक्षा के लिए आवश्यक सामग्रियों के भंडारण की जानकारी दी गई। प्रमंडलीय एवं केंद्रीय स्टोर्स में 5.29 लाख ईसी बैग, पर्याप्त संख्या में जियो बैग, वायर क्रेट्स और पॉर्क्यूपाइन सेट सुरक्षित रखे गए हैं। इन सामानों का उपयोग संवेदनशील तटबंधों एवं कटाव प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार किया जाएगा।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा अंचलवार संवेदनशील आबादी का अद्यतन डाटाबेस तैयार किया गया है। जिले के विभिन्न राजस्व गांवों में 7910 दिव्यांगजन, 2108 गर्भवती महिलाएं तथा 1531 धात्री माताओं की पहचान की गई है। इनके अतिरिक्त आपदा के समय बचाव कार्यों के लिए 92 प्रशिक्षित गोताखोरों को चिन्हित किया गया है। राहत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 80 राहत शिविर तथा 228 सामुदायिक रसोई केंद्रों के स्थापना की योजना तैयार की गई है।

श्रम संसाधन विभाग द्वारा आपदा अवधि में कार्यरत श्रमिकों के लिए कार्य अवधि एवं सुरक्षा मानकों से संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। वहीं, समाज कल्याण विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही विशेष सेवाओं एवं पोषण सुविधाओं की समीक्षा की गई।

कृषि विभाग द्वारा बाढ़ अथवा सुखाड़ जैसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से आकस्मिक कृषि योजना तैयार की गई है। इसके तहत 23621 हेक्टेयर संभावित प्रभावित कृषि क्षेत्र के लिए करीब 7400 क्विंटल वैकल्पिक बीजों की उपलब्धता एवं वितरण की कार्ययोजना तैयार की गई है। जिससे किसानों को फसल क्षति की स्थिति में शीघ्र वैकल्पिक खेती का अवसर मिल सके।

आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सम्पूर्ति पोर्टल पर प्रभावित परिवारों के सत्यापन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 101058 संभावित प्रभावित परिवारों की सूची तैयार की गई है। जिनमें से 100084 परिवारों का आधार आधारित सत्यापन पूरा कर लिया गया है। शेष परिवारों का सत्यापन अभियान मोड में जारी है।

हवाई मार्ग से राहत सामग्री वितरण की संभावित आवश्यकता को देखते हुए जिले में 16 विशिष्ट हेलीपैड स्थलों का चयन किया गया है। इन स्थलों को आपातकालीन स्थिति में राहत पैकेट ड्रॉपिंग एवं अन्य आवश्यक हवाई गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाएगा। इसके साथ ही तेघड़ा क्षेत्र के लिए चयनित खाद्यान्न आपूर्ति एजेंसी की भी घोषणा की गई। जिससे राहत सामग्री की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में डीएम ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वित कार्रवाई तथा राहत एवं बचाव कार्यो की जाए। आमजन की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी विभाग को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप पूरी तत्परता एवं जवाबदेही के साथ काम करना होगा।

रामधारी यादव के घर इश्तिहार चिपकाया

सुल्तानगंज में सभापति मर्डर मामला, फरार मिथुन यादव की तलाश कर रही पुलिस

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर कुख्यात अपराधी रामधनी यादव के घर इश्तिहार चस्पा किया। पुलिस टीम ढोल-नगाड़े के साथ रामधानी यादव के आवास पर पहुंची और सार्वजनिक रूप से उद्घोषणा करते हुए फरार आरोपी मिथुन यादव, भाई अंकित और मां नीलम देवी को निर्धारित तिथि तक न्यायालय के सामने उपस्थित होने का निर्देश दिया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोर्ट के आदेश के बावजूद यदि आरोपी तय समय सीमा के अंदर आत्मसमर्पण नहीं करते है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इश्तिहार चस्पा करने की कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को भी

बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और मामले के निपटारे के लिए विशेष प्रयास जारी हैं और न्यायालय के आदेशों का सख्ती से अनुपालन कराया जा रहा है

बता दें कि सुल्तानगंज में चर्चित सभापति हत्याकांड और पीसीएस अधिकारी हत्याकांड के बाद पुलिस ने जांच के दौरान आर्म्स एक्ट के तहत कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसी क्रम में कुख्यात अपराधी रामधानी यादव के बेटे मिथुन यादव का नाम भी सामने आया, जिसके बाद उसके खिलाफ सुल्तानगंज थाना में मामला दर्ज किया गया।

ठिकाना बदल रहा है आरोपी

पुलिस के अनुसार प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से मिथुन यादव लगातार फरार चल रहा है और गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा है। इस बीच मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बदमाश रामधानी यादव को एक पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया था।

घटना के बाद से परिवार के कई सदस्य भी घर छोड़कर फरार है। पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है, लेकिन अब तक मिथुन यादव की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसी कारण कोर्ट से इश्तिहार जारी किया गया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी निर्धारित तिथि तक कोर्ट में उपस्थित नहीं होता है, तो उसके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लव ट्रैप में फंसाकर लड़कियों को बेचने वाला मौलवी गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने लव ट्रैप में फंसाकर 4 नाबालिग लड़कियों के अपहरण और उन्हें बेचने की कोशिश करने वाले मौलवी को गिरफ्तार किया है। 36 घंटे के अंदर पुलिस ने लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया है। पीड़ित नाबालिग लड़कियों में से एक ने पुलिस को बताया कि मदरसे में आने के बाद से ही मौलवी असफाक की नजर उस पर थी। वो उसे अलग से पढ़ाता था और नई-नई कहानियां सुनाकर प्रेम जाल में फंसाता था। धीरे-धीरे उसने लड़की का नंबर लिया और फोन पर बातचीत शुरू हो गई, जिससे वे एक-दूसरे के करीब आ गए।

इसी दौरान मौलवी ने पहली लड़की की एक सहेली को भी अपने ट्रैप में फंसा लिया। वो पहली लड़की के सामने उसे 'साली' कहता था, लेकिन अकेले में उससे बात करता था। जब घरवालों को शक हुआ, तो ढाका थाना क्षेत्र के करसहिया निवासी मौलवी असफाक को मदरसा से हटा दिया गया, लेकिन वो फोन से लड़कियों के संपर्क में बना रहा।

शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार को 3 जून को एक आवेदन मिला था। इसमें पीड़ित लड़कियों के पिता ने अपनी 2 बेटियों सहित 4 नाबालिग बच्चियों के अपहरण की शिकायत की थी।

पिता ने अपने आवेदन में बच्चियों के साथ गलत होने की आशंका भी जताई थी। आवेदन मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर इसकी सूचना स्क्र स्वर्ण प्रभात को दी गई।

एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिकरहना स्ब्क्क अभिषेक कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम को नाबालिग लड़कियों की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी कर ढाका थाना क्षेत्र से आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर चारों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद किया गया। आरोपी के घर से एक लड़की का मोबाइल भी बरामद हुआ है।

अपहृत लड़कियों में एक दसवीं कक्षा की छात्रा है। उसने बताया कि एक साल से मौलवी के साथ मेरा अफेयर चल रहा था। मौलवी जब मुझे अपने साथ ले गया, वो मेरे साथ सोया था। इसी दौरान उसने किसी से फोन पर बात करते हुए कहा कि वह हम लोगों को कहीं ले जाकर बेच देगा। यह सुनकर हम सभी डर गए। पहले हमें लगता था कि वह हमसे प्यार करता है। वह हमेशा कहता था कि तुम्हें अपने साथ विदेश ले जाऊंगा और खूब घुमाऊंगा, लेकिन उसकी मंशा कुछ और ही थी।

दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए नामांकन शुरू

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शनिवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गई। विश्वविद्यालय में पहली बार समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन की व्यवस्था लागू की गई है। कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने समर्थ पोर्टल के एकेडेमिक मॉड्यूल पर क्लिक कर प्रवेश प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने कहा कि, लोक भवन, पटना के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्य समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। इसी क्रम में नामांकन मॉड्यूल की शुरुआत की गई है।' उन्होंने कहा कि, 'विश्वविद्यालय परिवार के समवेत प्रयास से इस व्यवस्था को सफल बनाया

जाएगा, जिससे छात्रों को पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।'

अध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो. पुरेन्द्र वारिक ने बताया कि, 'उपशास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इच्छुक छात्र निर्धारित अवधि के भीतर समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों तथा अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अधिकाधिक छात्रों को नामांकन प्रक्रिया की जानकारी देने का आग्रह किया।

विशेष कार्य पदाधिकारी (शैक्षणिक) डॉ. रामसेवक झा ने बताया कि, 'शास्त्री प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-30) एवं आचार्य प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-28) में नामांकन के लिए आवेदन 6 जून से 28 जून 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे। वहीं उपशास्त्री प्रथम वर्ष (सत्र 2026-28) के लिए आवेदन प्रक्रिया 8 जून से 28 जून 2026 तक चलेगी।' विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सभी प्राप्त आवेदनों के आधार पर 30 जून 2026 को मेधा सूची (मेरिट लिस्ट) प्रकाशित की जाएगी। छात्रों को विभाग एवं महाविद्यालय का आवंटन महाविद्यालयवार मेधा सह चयन प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा। मेरिट सूची में चयनित छात्रों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन एवं प्रवेश शुल्क जमा करने की प्रक्रिया 2 जुलाई से 6 जुलाई 2026 तक चलेगी। प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. निशिकांत ने बताया कि ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए अध्यक्ष छात्र कल्याण कार्यालय में एक विशेष तकनीकी सेल का गठन किया गया है। छात्र अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

समर्थ नोडल पदाधिकारी डॉ. नरोत्तम मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल सक्रिय कर दिए गए हैं। इनमें एडमिशन, स्टूडेंट लाइफ साइकिल, पे-रोल, पेंशन, लीव मैनेजमेंट, एम्प्लॉई, कोर, लीगल, आरटीआई, ग्रीवांस, फ्लीट, स्पोर्ट्स, मिनट आर्काइव एवं रिट्रीवल जैसे महत्वपूर्ण मॉड्यूल शामिल हैं। समर्थ पोर्टल के शुभारंभ अवसर पर कुलसचिव डॉ. दिनेश झा, वित्त पदाधिकारी डॉ. पवन कुमार झा, उपकुलसचिव डॉ. नवीन कुमार झा, डॉ. सुनील कुमार झा, सूचना वैज्ञानिक सह समर्थ नोडल पदाधिकारी डॉ. नरोत्तम मिश्र, सहायक प्राचार्य डॉ. छबिलाल न्यौपाने, कुन्दन भारद्वाज, गोपाल उपाध्याय, रवीन्द्र कुमार मिश्र, सुशील कुमार झा, अभिषेक झा, सिद्धेश कुमार झा तथा टीएसए डी.एस. पुष्पेंद्र सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस नहीं चला पाएंगे नाव, सोन नदी में अवैध नावों पर प्रशासन का शिकंजा

रोहतास, एजेंसी। रोहतास जिले में सोन नदी में संचालित हो रही नावों के अवैध परिचालन पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सोन नदी में नौका संचालन पर अस्थाई रोक लगा दी गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को परिवहन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नाव संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की।

बिना लाइसेंस हो रहा था परिचालन: दरअसल, डेहरी के एनिकट स्थित सोन नदी क्षेत्र में लंबे समय से नियमों को ताक पर रखकर कई नावों का परिचालन किया जा रहा था। आरोप है कि इनमें से अधिकांश नावें बिना वैध रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस और सुरक्षा मानकों का पालन किए संचालित हो रही थीं। इस संबंध में स्थानीय लोगों और पर्यटकों द्वारा लगातार शिकायत की जा रही थी।

एसडीएम के निर्देश पर विभागीय जांच: शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डेहरी के

अनुमंडल पदाधिकारी निलेश कुमार ने तत्काल प्रभाव से नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। एसडीएम के निर्देश के बाद परिवहन विभाग के मोटरयान निरीक्षक (एमवीआई) अपनी टीम के साथ सोन नदी पहुंचे और वहां संचालित हो रही नावों का निरीक्षण किया।

नाव संचालकों को सख्त हिदायत: जांच के दौरान अधिकारियों ने नाविकों और नाव संचालकों से बातचीत कर उन्हें विभागीय नियमों की जानकारी दी। साथ ही, भविष्य में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि बिना मानकों को पूरा किए परिचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुरक्षा मानकों से नहीं होगा समझौता: सोन नदी में पर्यटकों के बढ़ते आवागमन को देखते हुए सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। नाव की तकनीकी स्थिति, क्षमता और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता की गहन जांच की जाएगी। प्रत्येक नाव पर पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट रखना अनिवार्य होगा।

संचालकों को अंतिम चेतावनी: अधिकारियों ने नाव संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द अपने दस्तावेज पूरे करें और विभाग में आवेदन देकर पंजीकरण कराएं। निर्धारित सरकारी प्रक्रिया पूरी होने और मानकों पर खरा उतरने के बाद ही नाव चलाने के लिए लाइसेंस जारी किया जाएगा। तब तक अवैध परिचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी।

दो चरणों में होगी जांच: एमवीआई ने बताया कि फिलहाल जांच का पहला चरण पूरा किया गया है। इस दौरान नाव संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश और चेतावनी दी गई है। दूसरे चरण में विभाग सभी दस्तावेज, सुरक्षा उपकरणों और अन्य तकनीकी मानकों की विस्तृत जांच करेगा।

प्रशासन की कार्रवाई से मचा हड़कंप: प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद सोन नदी में नाव संचालकों के बीच हड़कंप की स्थिति है। कई संचालक अब अपने-अपने दस्तावेजों को दुरुस्त करने और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करने में जुट गए हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका कम होगी।

संक्षिप्त समाचार

मॉल, होटलों और रेस्टोरेंट की लिफ्टों का नहीं है रजिस्ट्रेशन

अलीगढ़, एजेंसी। एडीए वीसी कुलदीप मीणा के कड़े रुख के बाद ओएसडी अतुल आनंद के नेतृत्व में चली इस औचक जांच ने शहर के नामी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की पोल खोलकर रख दी है। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के मुताबिक मैरिस रोड स्थित पाम ट्री होटल में लिफ्ट की जांच के दौरान होटल प्रबंधन पंजीकरण के दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहा। उन्होंने केवल सालाना रखरखाव के कागज दिखाए, जो कानूनन नाकाफी हैं। इसके अलावा मैरिस प्वाइंट रेस्टोरेंट में लिफ्ट चलती हुई मिली, लेकिन प्रबंधन के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। सिटी सेंटर मॉल में भी प्रबंधन सिर्फ मेंटेनेंस के कागजात ही पेश कर सका। सेंटर प्वाइंट चौराहे के पास स्थित टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में भी कोई पंजीकरण दस्तावेज नहीं मिला। एडीए की टीम ने इन चारों प्रतिष्ठानों के प्रबंधकों को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और अंतिम चेतावनी जारी की है। इस दौरान एडीए टीम में ओएसडी अतुल आनंद के साथ जूनियर इंजीनियर (जेई) मनोज शर्मा और विश्वजीत मुख्य रूप से शामिल रहे।

हाईवे पर शराब से लदी डीसीएम और ट्रक की भिड़ंत, चालक की मौत

लखनऊ, एजेंसी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रायबरेली-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगौली गांव के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। हाईवे पर चल रहे बाइपास निर्माण कार्य के कारण यातायात को डायवर्जन मार्ग से एक ही लेन पर चलाया जा रहा था। इसी दौरान अयोध्या से रायबरेली जा रही शराब लदी डीसीएम और सामने से आ रहे ट्रक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीसीएम के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चालक राहुल यादव (26 वर्ष, निवासी खुशामतपुर, मऊ) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डीसीएम में लदी देसी शराब की पेटियां सड़क पर बिखर गईं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची जगदीशपुर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को वाहन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर मार्ग सुचारु करा दिया गया है। जगदीशपुर के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है और फरार ट्रक चालक की तलाश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्लॉट खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, आगरा में युवक संग हुआ बड़ा धोखा

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना हरीपर्वत में कमलानगर निवासी युवक ने पांच लोगों पर प्लॉट दिलाने के नाम पर 48 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कमला नगर निवासी संजय दिवाकर ने पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि संजय प्लेस स्थित एसबीएनएल वर्ल्ड के संचालक सत्य प्रकाश तित्तल, विक्रांत कुमार, युवराज सिंह, राहुल कुमार व विशाल तित्तल ने फतेहाबाद की नारायणी धाम सोसायटी में प्लॉट दिलाने का झांसा दिया। दो वर्षों में आरोपियों ने 48 लाख रुपये ले लिए। आरोपियों ने प्लॉट की कीमत 50 लाख रुपये बताई थी। 29 जनवरी को आरोपियों के संजय प्लेस स्थित ऑफिस पहुंचने पर पता चला कि 30-40 अन्य लोगों से भी इसी तरह लाखों रुपये लिए गए हैं। थाना प्रभारी हरीपर्वत ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नयनसर फ्लाईओवर के भार सहन क्षमता का परीक्षण शुरू

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर नयनसर के पास बने सिक्सलेन फ्लाईओवर के नीचे बने अंडरपास की छत में लगभग तीन महीने पहले दरारें दिखाई दी थीं। अब उसके भार सहन क्षमता की गहन जांच शुरू कर दी गई है। यह जांच छह दिनों तक चलेगी। इसके चलते शुक्रवार देर रात बैरिकेडिंग कर अंडरपास से आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। बताते दें कि शुक्रवार को अंडरपास की छत कुछ मिलीमीटर काटी गई, हथौड़ी से टेस्ट करके और विशेष उपकरण ठोककर प्रारंभिक गुणवत्ता जांच की गई। इसके बाद कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने अभियंताओं की मदद से छत की दरारें विशेष केमिकल से भर दिया और उसे पेंट कर दिया। इस दौरान अंडरपास की छत में कई तरह के सेंसर लगाए गए जिनमें स्ट्रेन गेज सेंसर, विस्थापन सेंसर और लोड सेल शामिल हैं। ये सेंसर संरचना पर पड़ने वाले तनाव, कंपन और विक्षेपण को रियल टाइम माप रहे हैं। वहीं अस्थायी लोहे के खंभे लगाए गए हैं। इसके बाद लोडेड और खाली ट्रक फ्लाई ओवर के ऊपर खड़े करके और चलाकर स्थैतिक व गतिशील दोनों तरह के लोड टेस्ट किए जा रहे है। एनएचएआई की तरफ से इस भार परीक्षण का समय-समय पर निगरानी किया जा रहा है। मौके पर मौजूद अभियंता अंबुज कुमार गुप्ता ने बताया कि भार परीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न मानकों के अनुरूप सभी जांचें की जा रही हैं।

प्रदेश में भीषण गर्मी की वापसी

नौ से 11 जून तक इन जिलों में चलेगी लू, 6 डिग्री तक चढ़ेगा पारा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों के मौसमी उतार-चढ़ाव के बाद अब तपिश भरे दिन लौटेंगे। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में प्रदेश भर में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जताया है।

रविवार से पूरे प्रदेश में पारा धीरे-धीरे चढ़ना शुरू होगा। मंगलवार से 9 जून से 11 जून के दौरान उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लू चलने की आशंका है। शनिवार को प्रदेश के बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में तपिश तथा तीखी धूप का प्रकोप रहा। वहीं पूर्वांचल और तराई के कुछ जिलों में सुबह बादलों की आवाजाही के साथ तेज हवाएं चलीं।

शनिवार को झांसी 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। बांदा, उरई, फतेहपुर और वाराणसी में भी गर्मी का असर तीखा बना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब मौसम शुष्क रहेगा और तपिश भरे दिनों की वापसी होगी।

तपिश बढ़ी, दो दिन बाद लू के आसार

राजधानी में शनिवार को तपिश और उमस भरी हवा ने परेशान किया। तीखी धूप में देर तक टिकना मुश्किल हो रहा था। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा और धीरे-धीरे गर्मी बढ़ेगी। पांच दिन में अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। 10 जून को लखनऊ में लू के थपेड़े चलने का पूर्वानुमान है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक नौ जून से गर्म हवाएं चलेंगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 0.3 डिग्री की बढ़त के साथ 38.4 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान एक डिग्री की बढ़त के साथ 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सर्वाधिक तापमान वाले जिले

झांसी में 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बांदा में 42.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। उरई में 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। फतेहपुर में भी 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी में 41.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

आयुर्वेद-होम्योपैथी से इलाज, प्राकृतिक चिकित्सा से रहेंगे स्वस्थ; आगरा में बनेगा आयुष सुपर सेंटर

आगरा , एजेंसी। इंस्टीट्यूट ऑफ आयुष मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। इसका बजट जल्द मंजूर होने की उम्मीद है। इसका निर्माण लोक निर्माण विभाग कराएगा। इसमें मरीजों को आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी चिकित्सा से निशुल्क इलाज मिलेगा। प्राकृतिक चिकित्सा-योग से लोगों को निरोगी बनाने का काम भी होगा।

किरावली के अकबरा गांव में आयुष मेडिकल कॉलेज के लिए 5.48 हेक्टेयर जमीन आवंटित हो गई है। इसमें जरूरत पड़ने पर और जमीन आवंटित की जाएगी। प्रदेश ने पांच जिलों में आयुष मेडिकल कॉलेज के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें आगरा के अलावा, गोंडा, मेरठ, मिर्जापुर और बस्ती में आयुष मेडिकल कॉलेज बनेंगे। इनमें बीएएमएस, बीएचएमएस, बीयूएमएस, बीएनवाईएस पाठ्यक्रम के लिए 400 सीटें होंगी।सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। इन पैथी से इलाज के लिए 100-100 बेड के अस्पताल भी होंगे। इनमें पेट रोग, हृदय रोग, कैंसर रोग, त्वचा रोग, बाल रोग, हड्डी रोग समेत सभी तरह के मर्ज का आयुर्वेद-होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा पद्धति से इलाज होगा। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र भी बनेगा, जिसमें योगशाला भी होगी। इससे लोगों निरोगी रह सकेंगे।

क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. एमएस आलम ने बताया कि आयुष मेडिकल कॉलेज के लिए प्रशासन से जमीन आवंटित हो गई है। प्रस्ताव भेज दिया है। इसके खुलने से छात्र कई पैथी में पढ़ाई कर सकेंगे। निशुल्क इलाज की भी सुविधा मिलेगी।

होटल में होता है गंदा काम, आधी रात को आती हैं लड़के-लड़कियां ; पुलिस आयुक्त से महिलाओं ने लगाई गुहार

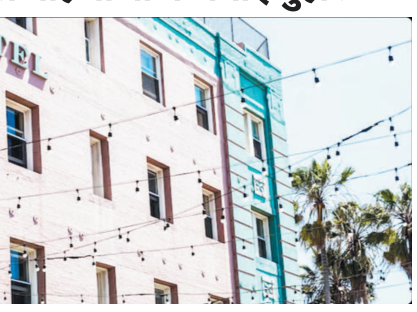

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र के ग्राम पथौली स्थित वायु विहार तिराहे के निकट संचालित होटल को लेकर श्रीराम विहार और किरण कॉलोनी की करीब 60 महिलाओं ने शनिवार को पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। महिलाओं ने होटल में कथित अनैतिक गतिविधियां होने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता नीतू चौधरी ने बताया कि रिहायशी क्षेत्र के प्रवेश मार्ग पर संचालित होटल में संदिग्ध गतिविधियां होने से क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। इससे महिलाओं, युवतियों और बच्चियों को असहजता का सामना करना पड़ता है। कॉलोनी निवासी रेखा ने कहा कि दोनों कॉलोनियों में बड़ी संख्या में परिवार रहते हैं। होटल में आने-जाने वाले कुछ लोगों की गतिविधियों को लेकर महिलाओं में चिंता है, जिससे सामाजिक वातावरण और सुरक्षा संबंधी सवाल खड़े हो रहे हैं।

महिलाओं ने पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत करने वालों में कुसुमलता, नीलम, मोनिका, आरती, कविता, रश्मि, गीता, ज्योति और साधना समेत अन्य महिलाएं शामिल हैं।

थाना शाहगंज प्रभारी निरीक्षक राजीव त्यागी ने बताया कि पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत प्राप्त होने की जानकारी मिली है, हालांकि संबंधित प्रार्थना पत्र अभी थाने पर नहीं पहुंचा है। क्षेत्र में संचालित होटलों की नियमित जांच की जा रही है। शिकायत में उल्लिखित होटल की भी शनिवार को जांच कराई गई है। यदि जांच में कोई अनियमितता अथवा अवैध गतिविधि पाई जाती है तो नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चंदौली में भरभराकर गिरी दीवार, वाराणसी के तीन मजदूर दबे, एक की मौत; पहुंचे आला अधिकारी

चंदौली, एजेंसी। मुगलसराय थाना क्षेत्र के मुख्य नगर में शनिवार की देर रात एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। नगर में चल रहे सड़क निर्माण के तहत तोड़े जा रहे एक मकान का मलबा हटाने के दौरान अचानक 15 इंच की पुरानी दीवार भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में काम कर रहे बजरडीहा (वाराणसी) निवासी तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए, जिससे मौके पर हड़कंप और चीख-पुकार मच गई।

इस हादसे में बजरडीहा निवासी मजदूर मुहम्मद अली (24) की मौत हुई है। वहीं, सद्दाम हुसैन (18) घायल हुआ है। तीसरा मजदूर बाल-बाल बच गया। जीटी रोड पर सड़क निर्माण की जद में आए मकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कई भवन स्वामी खुद से अपने मकानों के हिस्से हटवा रहे हैं। इसके तहत पंजाब वस्त्रालय प्रबंधन द्वारा मकान को ध्वस्त करने का काम ठेके पर कुछ मजदूरों को दिया गया था, जो शनिवार की रात को भी काम में जुटे हुए थे। रात करीब 12: 20 बजे जब मजदूर मलबा हटाने का प्रयास कर रहे थे, तभी अचानक एक भारी-भरकम 15 इंच की पुरानी दीवार तीनों मजदूरों के ऊपर पलट गई। दीवार गिरते ही तीनों मजदूर मलबे के नीचे पूरी तरह दफन हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत शोर मचाया और राहत कार्य शुरू किया।

कड़ी मशक्कत के बाद दो मजदूरों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक तीसरा मजदूर पिछले 20मिनट से अधिक समय से दीवार के भारी मलबे के नीचे दबा हुआ है, जिसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन में खलबली मच गई। मौके पर तुरंत उपजिलाधिकारी राजीव सक्सेना और थाना प्रभारी (इंस्पेक्टर) विजय प्रताप सिंह भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंच गए हैं। अधिकारी खुद खड़े होकर मलबे को हटवाने और दबे हुए तीसरे मजदूर की जान बचाने के प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं। सीओ अरुण सिंह ने बताया कि बचाव कार्य जारी है।

सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर आठ हजार में पेपर देने का झांसा, स्ट्रांग रूम पहुंचे प्रश्न-पत्र

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों से ठगी का प्रयास शुरू हुआ है। टेलीग्राम पर यूपीपी एग्जाम पेपर नाम से चैनल मिला। इस पर परीक्षा का पेपर 8 हजार रुपये में उपलब्ध कराने का झांसा दिया जा रहा था। क्यूआर कोड और बैंक खाते का विवरण भी साझा किया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस भर्ती बोर्ड के सतर्कता प्रकोष्ठ में तैनात इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने हुसैनगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जांच डिप्टी पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जायसवाल को सौंपी गई।

पुलिस चैनल संचालक और बैंक खाते की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से अफवाहों से बचने और परीक्षा पर ध्यान देने की अपील की है। जांच एजेंसियां सक्रिय हैं ताकि परीक्षा में कोई गड़बड़ी न हो। परीक्षा 8 से 10 जून तक आयोजित होनी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संबंधित जिलों के स्ट्रांग रूम में पहुंचा दिए गए हैं। प्रश्नपत्रों के परिवहन और भंडारण की पूरी प्रक्रिया की निगरानी नामित नोडल अधिकारियों की देखरेख में की जा रही है। वहीं, परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए एसटीएफ, साइबर सेल और जिला पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून 2026 को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। इसे देखते हुए परीक्षा केंद्रों, स्ट्रांग रूम और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पेपर लीक, सॉल्वर गैंग और नकल माफिया पर शिकंजा कसने के लिए एसटीएफ की विशेष टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेषकर व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक और अन्य डिजिटल माध्यमों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। किसी भी तरह की अफवाह, फर्जी प्रश्नपत्र या परीक्षा से जुड़ी भ्रामक जानकारी प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह तय है कि विधानसभा चुनाव में वर्तमान सीएम योगी आदित्यनाथ ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। किसी तरह का असमंजस पैदा न हो, इसके लिए पार्टी पहले ही यह घोषणा करेगी। इसके अलावा चुनाव में योगी सरकार में कानून व्यवस्था में सुधार ही सबसे बड़ा मुद्दा होगा।

मुख्तार अंसारी के कुर्क गजल होटल की जमीन पर अभिषेक का दावा, कहा- मुझे धमकाया गया

वाराणसी एजेंसी। मुख्तार अंसारी से संबंधित कुर्क संपत्ति के मामले में शनिवार को एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश शक्ति सिंह की अदालत में एक नए दावेदार ने भूमि पर अपना स्वामित्व बताते हुए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पक्षों को प्रार्थना पत्र की प्रति उपलब्ध कराने और लिखित आपत्तियां दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जून को होगी।

सुनवाई के दौरान अभिषेक अग्रवाल ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर दावा किया कि महुआबाग (मुहम्मद पट्टी) स्थित जिस भूमि को कुर्क संपत्ति के रूप में देखा जा रहा है, वह उनकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त भूमि को छल, कपट और धोखाधड़ी के माध्यम से मुख्तार अंसारी के नाम दर्ज कराया गया था। इस प्रक्रिया में कुछ राजस्व अधिकारियों की भी भूमिका और साजिश होने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि भूमि का नामांतरण फर्जी तरीके से कराया गया और बाद में उस पर गजल होटल का निर्माण किया गया। अभिषेक अग्रवाल का आरोप है कि उन्हें डरा-धमकाकर भूमि से जुड़े कार्य कराए गए और उनकी संपत्ति को अवैधानिक रूप से हड़पने का प्रयास किया गया। उन्होंने अदालत से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अपने स्वामित्व के दावे पर विचार करने की मांग की।

अदालत ने सुनवाई के दौरान यह भी उल्लेख किया कि इस संपत्ति पर स्वामित्व को लेकर अब तक तीन अलग-अलग दावे सामने आ चुके हैं।

‘गम ने दी ताकत, मौत ने दी नींद’, सहारे के मोहताज सुभान ने खुद नापा अंतिम सफर

कानपुर, एजेंसी। मौत का ऐसा मंजर जिसने भी सुना, उसकी रूह कांप उठी। कैंसर से जूझ रहे सुभान अहमद (40) के लिए उनकी पत्नी रजिया और छह वर्षीय बेटे हसनैन ही उनकी दुनिया थे। लेकिन, 11 दिन पहले काल ने उनसे यह सहारा छीन लिया। पत्नी के जीवित रहते जो सुभान एक कदम चलने को मोहताज थे, अपनों के वियोग में वे बेसुध होकर मौत की राह नापने लगे।

शुक्रवार की सुबह वे फातिहा पढ़ने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। घंटों की तलाश के बाद जब परिजन कब्रिस्तान पहुंचे, तो सुभान का शव पत्नी और बेटे की कब्रों के बीच पड़ा मिला। एक हाथ बेटे की कब्र पर और दूसरा पत्नी की यादों को थामे, सुभान हमेशा के लिए खामोश हो चुके थे। आइए जानते हैं पूरी कहानीज

गम में टूटे हुए थे सुभानः जब तक रजिया जीवित थी। सुभान अहमद को अपने पैरों पर खड़े होने और चलने के लिए पत्नी के सहारे की जरूरत थी लेकिन 11 दिन पहले जब पत्नी व बेटे की मौत हुई तो सुभान बिना किसी मदद के खड़े होने लगे और अकेले ही चलकर उनकी कब्र पर पहुंच रहे थे। पत्नी व बेटे को खोने के गम में वह टूटे हुए थे। ससुरालीजनों को यकीन नहीं हुआ कि उनके दामाद अब दोबारा वापस नहीं आएंगे। अब उनके तीन बच्चों की जिम्मेदारी उनके ससुरालीजनों यानी ननिहाल पक्ष पर आ गई है।

बिना मदद सुभान कहीं आते-जाते नहीं थे : मृतक के साले सलीम ने बताया कि जब परिवार हरपालपुर में रहता था, तो रजिया खातून ही पति की देखभाल करती थी। उनको उठाने-बैठाने, नहलाने व अन्य कार्यों में पत्नी मदद करती थी। बच्चे भी उनकी मदद के लिए रहते थे। बिना मदद सुभान कहीं आते-जाते नहीं थे, लेकिन जब से पत्नी व बेटे का साथ छूटा था, तो वह बिना किसी मदद के खड़े होने लगे थे और चुपचाप कब्रिस्तान की ओर निकल जाते थे।

पत्नी व बेटे की कब्र के बीच में मिला शव : पत्नी व बेटे के गम में डूबे सुभान को देखकर कोई कुछ नहीं कहता था। शुक्रवार की सुबह चार बजे जब वह निकले तो परिजनों ने कुछ नहीं बोला। उन्हें यकीन था कि एक-दो घंटे में वह रोजाना की तरह लौट आएंगे लेकिन घंटों बीत जाने के बाद तलाश करने पर उनका शव पत्नी व बेटे की कब्र के बीच में मिला। मां-भाई के बाद पिता का 11 दिन के अंदर निधन होने से बेटे सैफ, बेटी रोशनी व आलिया अनाथ हो गए हैं।

ये था पूरा मामला : महोबा जिले में 11 दिन पहले पत्नी और बेटे की मौत से सदमे में आए कैंसर पीड़ित पति का शव शुक्रवार की सुबह दोनों की कब्र के बीच में पड़ा मिला। उनका एक हाथ पत्नी की कब्र पर तो दूसरा हाथ बेटे की कब्र पर रखा था। खोजबीन करते हुए जब परिजन कब्रिस्तान पहुंचे, तो नजारा देख उनकी आंखें भर आईं। पैर में किसी कीड़े के काटने के निशान होने पर पुलिस को सूचना दी गई।

11 दिन के अंदर परिवार में तीसरी मौत : पोस्टमार्टम के बाद देर शाम शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। 11 दिन के अंदर परिवार में तीसरी मौत से तीन बच्चे अनाथ हो गए। मूलरूप से जनपद छतरपुर के हरपालपुर निवासी सुभान अहमद (40) कैंसर पीड़ित थे। वह हरपालपुर में अपनी पत्नी रजिया खातून, बेटे हसनैन, सैफ, बेटी रोशनी व आलिया के साथ रहते थे। 25 मई को हसनैन (06) की उल्टी-दस्त होने पर हालत बिगड़ गई थी।

अपनी ससुराल चरखारी में रह रहे थे सभी : परिजन उसे एम्बुलेंस से अस्पताल ले जा रहे थे। रास्ते में हसनैन ने दम तोड़ दिया था। शरीर में कोई हलचल न होने पर मां रजिया सदमे में आ गई थी और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे भी मृत घोषित कर दिया था। मां-बेटे की मौत के बाद उनका अंतिम संस्कार कस्बा चरखारी में ईदगाह के पास स्थित कब्रिस्तान में किया गया था। तब से अन्य तीन बच्चे व सुभान अहमद अपनी ससुराल चरखारी में रह रहे थे।

वह फातिहा पढ़ने की बात कहकर घर से निकले : वह रोजाना सुबह उठकर पत्नी व बेटे की कब्र पर जाते थे। शुक्रवार की सुबह भी वह फातिहा पढ़ने की बात कहकर घर से निकले और वापस नहीं लौटे। परिजन खोजबीन करते हुए कब्रिस्तान पहुंचे तो सुभान का शव पत्नी रजिया खातून व बेटे हसनैन की कब्र के बीच में पड़ा मिला। यह देख परिजन बिलख पड़े।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में लगी भीषण आग, छुट्टी की वजह से टला बड़ा हादसा

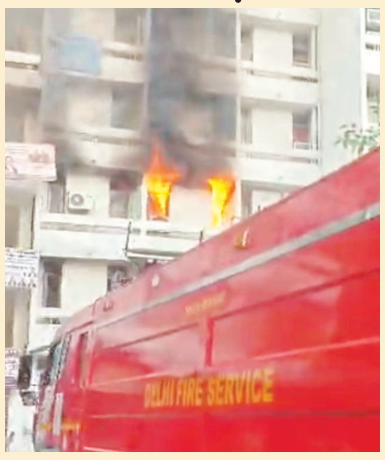

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट के स्कैनिंग रूम में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। छुट्टी का दिन होने की वजह कोर्ट में सिर्फ पुलिसकर्मी ही मौजूद थे। उन्होंने मामले की सूचना दमकलकर्मियों को दी। दमकल की आठ गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्कैनिंग रूम में रखे लैपटॉप व अन्य सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही इस रूम के बराबर में कोर्ट का रिकॉर्ड रूम था जो आग लगने से बच गया। दमकल को रविवार सुबह 5 :22 पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग कोर्ट के दूसरी मंजिल पर बने स्कैनिंग रूम में लगी थी। शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास ने कहा कि स्कैनिंग रूम में कोर्ट के रिकॉर्ड को डिजिटल किया जाता है। रविवार को छुट्टी थी। आम दिनों में कोर्ट में बहुत भीड़ होती है। एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए सीएक्यूएम की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सहित एनसीआर के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या दूर करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) निरंतर निगरानी कर रहा है। अलग–अलग स्थानों पर निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी कई स्थानों पर कचरा निस्तारण में लापरवाही, डीजल जनरेटर और औद्योगिक इकाइयों से प्रदूषण फैल रहा है। 11 मई से 29 मई तक सीएक्यूएम के फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा किए गए निरीक्षण में इस तरह के 87 मामले मिले हैं। सीएक्यूएम के प्रवर्तन कार्य बल (ईटीएफ) की बैठक में बताया गया कि फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा एनसीआर में कुल 245 निरीक्षण किए गए। इनमें निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) स्थलों पर 31 निरीक्षण, औद्योगिक क्षेत्र में 74 निरीक्षण और डीजल जनरेटर (डीजी) सेट से संबंधित 140 निरीक्षण शामिल थे। इन क्षेत्रों में कुल 87 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें सीएंडडी स्थलों से 21, औद्योगिक क्षेत्र से 25 और डीजी सेट से संबंधित 41 उल्लंघन शामिल थे। नियमों का उल्लंघन करने वाली 11 इकाइयों/परियोजनाओं को बंद करने, 33 डीजी सेटों को सील करने और 13 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने का प्रस्ताव किया गया। औद्योगिक क्षेत्र और सीएंडडी से संबंधित सभी मामलों में कार्रवाई की गई। कार्य बल ने 18 मई को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) क्षेत्र में नौ स्थानों पर सड़कों के निरीक्षण में 37 उल्लंघन मिले थे।

सीइबीएसई ने 12वीं के स्टूडेंट्स को दिया अंतिम मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं की उत्तर–पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और अंकों के सत्यापन के लिए आवेदन करने की समय–सीमा 7 जून रात 12 को समाप्त हो जाएगी। बोर्ड के अनुसार, अब तक 70 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इसमें सत्यापन (वेरिफिकेशन) और पुनर्मूल्यांकन (री–इवैल्यूएशन) के लिए आवेदन हैं। सीबीएसई ने बताया कि जिन छात्रों ने अपनी मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्त कर ली है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन भी अंकों के सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार का ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दिल्ली में कूड़े को लेकर नया नियम, अब घर से ही 4 श्रेणियों में अलग करना होगा कचरा; उल्लंघन करने पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कचरा निस्तारण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नई दिल्ली जिला प्रशासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सालिड वेस्ट मैनेजमेंट) के नियमों को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है।

अब घरों, स्कूलों, कालेजों, सरकारी दफ्तरों और बड़े संस्थानों को कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर देना होगा। नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

जिला प्रशासन का कहना है कि अगर कचरे को शुरुआत में ही सही तरीके से अलग कर दिया जाए तो उसके निस्तारण में आसानी होगी और लैंडफिल साइट पर दबाव भी कम होगा।

नए नियम में गीले और सूखे कचरे के साथ सैनटरी कूड़ा और खतरनाक कूड़ा को भी अलग करना होता है। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के प्रभावी पालन को

लेकर पिछले दिनों जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई थी।

निर्देशों का पालन करना भी जरूरी इसमें अधिकारियों को बताया गया कि ये नियम एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में लागू हैं। साथ ही फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करना भी जरूरी है। नियमों की निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए जिला प्रशासन ने एक विशेष सेल का गठन किया है।

जैविक कचरे से खाद बनाने के लिए किया जाएगा जागरूक: बैठक में एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। इसके तहत लोगों को घरों में कचरा अलग रखने, जैविक कचरे से खाद बनाने, सैनिटरी कचरे का सुरक्षित निस्तारण करने और कचरे की मात्रा कम करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

स्कूलों-कालेजों को भी विद्यार्थियों के बीच पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग), स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने होंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरों और संस्थानों में कचरे को चार श्रेणियों-गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाले कचरे में अलग करना अनिवार्य होगा। नियमों के पालन की जांच के लिए एसडीएम स्तर पर नियमित निरीक्षण और समय-समय पर आडिट किए जाएंगे। सभी शहरी निकायों, कचरा प्रसंस्करण इकाइयों और ऐसे स्थान जहां बहुत अधिक कचरा उत्पन्न होता है।

1 करोड़ से ज्यादा के लैप्रोस्कोपिक सिस्टम से लैस हुआ स्वामी दयानंद अस्पताल, मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार के स्वामी दयानंद अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने अस्पताल में नवनिर्मित उन्नत आपरेशन थिएटर (ओटी) ब्लाक का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दो अत्याधुनिक 4क्य लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सिस्टम और आर्थोपेडिक व ट्रॉमा सर्जरी के लिए आवश्यक सी-आर्म (इमेज इंटेंसिफायर) मशीन का भी लोकार्पण किया गया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, करीब 1.70 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित दो 4क्य लैप्रोस्कोपिक सिस्टम और 35 लाख रुपये की लागत वाली सी-आर्म मशीन से मरीजों को अधिक गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो सकेगा। इन उपकरणों की मदद से जटिल सर्जरी को अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा, जिससे अस्पताल की सर्जिकल सेवाओं की क्षमता में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम का लक्ष्य नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। निगम के अस्पतालों को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करने का कार्य लगातार जारी है, ताकि लोगों को बेहतर उपचार के लिए अन्य संस्थानों पर निर्भर न रहना पड़े।

गुणवत्ता और अस्पताल की कार्यक्षमता में होगा सुधार : स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है। इससे उपचार की गुणवत्ता और अस्पताल की कार्यक्षमता दोनों में सुधार होगा। नेता सदन जय भगवान यादव ने कहा कि नई

सुविधाओं से पूर्वी दिल्ली के लाखों नागरिकों को लाभ मिलेगा और उन्हें उच्चस्तरीय उपचार स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में निगम आयुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष पुनीत शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद वीर सिंह पंवार, उपायुक्त ममता यादव, निदेशक अस्पताल प्रशासन डा. अनुज निरंजन माथुर सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महापौर और अन्य जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान स्वच्छ एवं हरित वातावरण को स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया।

दिल्ली सरकार के दावों की पोल खोल रही ओल्ड पालम रोड, गड्ढो में तब्दील हुई सड़क; लाखों लोग रोज झेलते हैं खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका को नजफगढ़ से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण ओल्ड पालम रोड इन दिनों अपनी बदहाली की स्थिति में है। लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण इस पूरी सड़क पर जगह–जगह जानलेवा गड्ढे में बदल चुकी हैं। दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन चालक इस उबड़–खाबड़ और टूटी सड़क पर अपनी जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर हैं। मौसम चाहे भीषण गर्मी का हो या बरसात का, इस मार्ग पर सफर करना किसी बुरे सपने जैसा हो गया है। यह मार्ग दिल्ली सरकार द्वारा सड़क के हर गड्डे को भरने और मरम्मत कर दिए जाने के दावों की पोल खोल रही है। वर्तमान में गर्मी के मौसम के कारण इन गड्ढों में भारी मात्रा में मिट्टी जमा हो गई है। जब भी यहां से गाड़ियां गुजरती हैं, तो उड़ने वाली धूल हवा में फैलकर चालकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी कर देती है। यह धूल सीधे वाहन चालकों की आंखों में जाती है, जिससे न सिर्फ आंखों में जलन और परेशानी बढ़ती है, बल्कि सामने देखना भी मुश्किल हो जाता है। इस धूल और गहरे गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालक अक्सर अचानक अपनी लेन बदलकर बाएं से दाईं ओर चले जाते हैं। ऐसे में सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों से सीधी टक्कर होने की संभावना हर पल बनी रहती है। वहीं, बारिश होने पर तो स्थिति पूरी तरह भयावह हो जाती है। पानी भर जाने के कारण सड़क के ये गड्ढे छिप जाते हैं। कई स्थानों पर तो यह गड्ढे एक फीट तक गहरे हैं, जिसकी वजह से स्कूटी और बाइक जैसे छोटे वाहनों के चालक अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं। इस मार्ग पर कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। यह मार्ग केवल दो क्षेत्रों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि दिल्ली के एक बहुत बड़े रिहायशी और व्यापारिक हिस्से की लाइफलाइन है। ओल्ड पालम रोड के दोनों ओर द्वारका उपनगरी के विभिन्न सेक्टर्स जैसे सेक्टर–1, सेक्टर–2, सेक्टर–6 और ककरोला जैसे घने इलाके बसे हैं। यह मुख्य सड़क नजफगढ़, पालम गांव, डाबरी, उत्तम नगर और द्वारका मोड़ जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आपस में जोड़ती है। रोजाना लाखों की संख्या में कामकाजी लोग, स्कूली बच्चे, व्यापारी और आपातकालीन वाहन (एम्बुलेंस) इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस सड़क की सुध नहीं ली गई, तो ओल्ड पालम रोड पर लापरवाही की वजह से किसी निर्दोष की जान जा सकती है। स्थानीय निवासियों ने पुरजोर मांग की है कि प्रशासन इस मार्ग की तुरंत मरम्मत कराए। सड़क के गड्ढों से उड़ने वाली धूल आंखों में जाती है। गाड़ी चलाना दूभर है, प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

किरकरी के बाद टूटी दिल्ली एमसीडी की नींद, तबादले के आदेश रद्द; मृत इंजीनियरों का कर दिया था ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एमसीडी द्वारा अपने मृत और निलंबित चल रहे इंजीनियरों के तबादले पर एमसीडी की नींद टूट गई है। एमसीडी ने शुक्रवार को हुए सभी तबादले के आदेश रद कर दिए हैं। जहां पहले एमसीडी ने संशोधित आदेश निकालकर अपनी गलती सुधारने की कोशिश की थी लेकिन, उसमें दो मृत इंजीनियरों में से एक ही इंजीनियर का नाम हटाया था। वहीं, निलंबित चल रहे इंजीनियर का नाम नहीं हटाया था। मामला बिगड़ता देख एमसीडी ने अब आदेश पूरी तरह ही रद कर दिए हैं। यानी जिस सूची में 12 इंजीनियरों के तबादले हुए थे, वह सूची ही रद हो गई है। इससे कई इंजीनियरों का फायदा हो गया, क्योंकि कुछ लोगों का जोन बदला गया था तो कुछ लोगों को बिल्डिंग विभाग से हटाकर मेंटेनेस में लगाया गया था। इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए तबादले में दो मृत इंजीनियर प्रतीक और अपूर्व भटनागर और एक निलंबित चल रहे गौरव गर्ग का मुद्दा उठाया था। मामले में हुई किरकिरी के बाद अब निगम ने तबादले के आदेश रद कर अपनी गलती को सुधारने की कोशिश की है। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने विभागीय गलती पर अधिकारियों पर सवाल उठाए हैं। नारंग ने कहा कि कई माह पहले जिन इंजीनियरों का निधन हो गया था और एक का निलंबन हो चुका है उसका ट्रांसफर करना हैरान करने वाला है। उन्होंने इस ट्रांसफर आदेश की तत्काल जांच की मांग उठाते हुए कहा कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि मृतक कर्मचारियों का नाम सूची में किस अधिकारी ने शामिल किया। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए डिजिटल सत्यापन प्रणाली लागू की जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या भाजपा शासित एमसीडी बिना किसी सत्यापन के फाइलें चला रही है और अतिरिक्त आयुक्त भी हस्ताक्षर कर लदे रहे हैं क्या उन्हें भी अपने विभाग के कर्मचारियों की स्थिति की जानकारी नहीं है। जब मृत, निलंबित और सेवा में न रहने वाले कर्मचारियों के तबादले किए जा रहे हों, तब समझा जा सकता है कि भाजपा के राज में प्रशासनिक व्यवस्था किस स्तर पर पहुंच चुकी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की।

ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था। उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था।

ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं। इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं। मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है।

अब जब्त ईरानी फंड से युद्ध का हिसाब चुकाने की तैयारी में अमेरिका, ट्रंप ने बनाया बड़ा प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग अब उन ईरानी संपत्तियों का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है, जिन्हें प्रतिबंधों के तहत जब्त किया गया था। इन पैसों से खाड़ी देशों में युद्ध और हमलों से हुए नुकसान की भरपाई करने की योजना बनाई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपने हमलों से हुए नुकसान की आर्थिक कीमत भी चुकाए। इस बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर लेबनान तक हालात लगातार विस्फोटक बने हुए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की योजना है कि जब्त ईरानी संपत्तियों का इस्तेमाल खाड़ी देशों के पुनर्निर्माण में किया जाए। इसमें सऊदी अरब, कतर, बहरीन, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं, जिन्हें हाल के महीनों में ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि खाड़ी देशों से यह आकलन लिया जाए कि युद्ध में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए कितनी रकम की जरूरत होगी। इसके बाद यह देखा जाएगा कि जब्त ईरानी संपत्तियों को कानूनी रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं। अमेरिका अभी यह तय नहीं कर पाया है कि किन संपत्तियों का उपयोग किया जाएगा। इसमें विदेशी बैंकों में जमा ईरानी फंड, तेल टैंकर और अन्य संपत्तियां शामिल हो सकती हैं। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि ईरान को क्षेत्रीय हिंसा और अस्थिरता की कीमत चुकानी चाहिए। दूसरी तरफ ईरान लगातार कह रहा है कि किसी भी समझौते से पहले उसके अरबों डॉलर के फंड को जारी किया जाए और प्रतिबंध हटाए जाएं। बताया जा रहा है कि ईरान करीब 24 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियों को छुड़ाने की मांग कर रहा है। तनाव उस

समय और बढ़ गया जब अमेरिकी सेना ने शनिवार तड़के ईरान के गोरोख और क़ेश्म द्वीप स्थित रडार ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा बने ईरानी ड्रोन को रोकने के लिए की गई। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दाग दीं। कुवैत के अनुसार सात बैलिस्टिक मिसाइल आबादी वाले इलाकों के ऊपर से गुजरीं, जिससे कुछ इमारतों को नुकसान हुआ। हालांकि किसी की मौत नहीं हुई। बहरीन में भी सायरन बजाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जमीन पर हालात सुधरते नहीं दिख रहे।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के

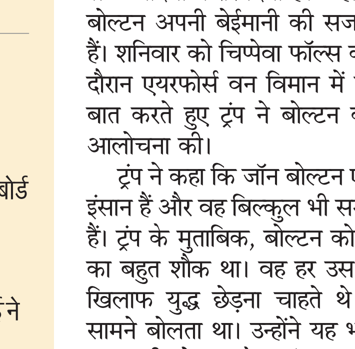

लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

श्रीराम कृष्णन ने साफ किया कि वह सार्वजनिक जीवन से दूर नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर काम जारी रखेंगे। हालांकि उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट या संस्था का खुलासा नहीं किया। टेक जगत में माना जा रहा है कि वह्द्ध नीति, निवेश और वैश्विक टेक सहयोग से जुड़े किसी बड़े प्लेटफॉर्म की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों, ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ नेताओं और अपनी पत्नी का भी धन्यवाद किया। कृष्णन ने कहा कि इस यात्रा ने उन्हें यह सिखाया कि अमेरिका को मजबूत बनाने में हर व्यक्ति की भूमिका जरूरी है और वह आगे भी इसी दिशा में काम करते रहेंगे।

भारत में घटती जन्म दर पर एलन मस्क ने जताई चिंता, रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंचा आंकड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भारत की घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि भारत की जन्म दर अब रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंच चुकी है, जो लंबे समय में जनसंख्या संरचना पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट को साझा करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की जन्म दर कई साल पहले ही शिक्षित वर्ग में रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे आ चुकी है। मस्क ने जिस डेटा का हवाला दिया, उसमें कहा गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 1.9 पर आ गई है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 माना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश की राजधानी दिल्ली में फर्टिलिटी रेट घटकर करीब 1.2 तक पहुंच गई है, जो कई विकसित देशों से भी कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, जीवनशैली और आर्थिक कारणों से परिवार का आकार लगातार छोटा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2025 में भी बताया गया है कि भारत की फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे गिरकर 1.9 पर आ चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है।

संपादकीय

कागजों में थी सुरक्षा और मौत हकीकत में

कोई हादसा एक मामूली कोताही का नतीजा हो सकता है, लेकिन अगर वह गलती बनी रहती है या उससे सबक लेकर भविष्य में सावधानी बरतने और बचाव के जरूरी इंतजाम नहीं किए जाते हैं, तो उन्हें आपराधिक लापरवाही से कम नहीं माना जा सकता। दिल्ली में मालवीय नगर के एक होटल में दो दिन पहले आग लगने से इक्कीस लोगों की जान चली गई। इसके अलावा, बिहार के मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में कई जगहों पर रिहाइशी इमारतों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। जहां तक मालवीय नगर की घटना का सवाल है, तो यह संभव है कि वहां अचानक लगी आग पूरी इमारत में फैल गई। मगर इतने लोगों के मारे जाने के बाद अब जो तथ्य उजागर हो रहे हैं, उससे यही साबित होता है कि इस हादसे की समूची भूमिका पहले से तैयार थी और इसमें इमारत के मालिक से लेकर सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी थी।

सवाल है कि अगर होटल के पास दिल्ली अग्निशमन विभाग की ओर से जारी किया जाने वाला अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। फिर छह कमरों के लाइसेंस पर अगर पच्चीस कमरे अवैध रूप से बनाकर कारोबार संचालित किया जा रहा था, तो यह किसकी अनदेखी से संभव हुआ? धोखाधड़ी करके इमारत के भूतल पर एक पूरी रेस्तरां चलाई जा रही थी, तो क्या यह कोई छिपी गतिविधि थी?

जिस इमारत में अलग-अलग कारणों से हर समय खासी संख्या में लोगों के मौजूद होने की स्थिति थी, वहां आग लगने या अन्य किसी आपात

स्थिति में बचने के लिए बाहर निकलने का रास्ता बाधित क्यों था? इलेक्ट्रॉनिक लॉक प्रणाली से जोखिम की आशंका होने के बावजूद मुख्य दरवाजे के खुलने-बंद होने की डिजिटल व्यवस्था की अनुमति किसने दी थी? सच यह है कि इमारत में जो हादसा सामने आया, वह सिर्फ कमाई की अदम्य भूख में सुरक्षा इंतजामों के अनिवार्य पहलू को लेकर एक आपराधिक लापरवाही और सरकार के संबंधित महकमों की ओर से की गई अफसोसनाक अनदेखी का नतीजा है।

दरअसल, नियमों को ताक पर रखकर चलाई जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के संचालक तभी ऐसा कर पाते हैं, जब पुलिस या अनिवार्य व्यवस्थागत इंतजामों की समय-समय पर जांच और निगरानी करने वाले अधिकारी उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा करने की छूट देते हैं। इसके पीछे अवैध लेनदेन पर आधारित सांठगांठ हो सकती है।

विडंबना यह है कि जो लोग इस तरह के भ्रष्टाचार में लिप्त होते हैं, उन्हें इस बात की शायद कोई फिक्र नहीं होती कि उनकी ऐसी हरकतों का अंजाम कितना त्रासद हो सकता है। अगर कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तो सरकार और पुलिस की ओर से आनन-फानन में फौरी तौर पर कानूनी कार्रवाई के लिए अतिरिक्त सक्रियता दिखती है।

मगर ऐसे हादसों की जांच के नतीजे, कानूनी कार्रवाई और सजा की हालत यह है कि वह शायद ही किसी सबक के लिए उदाहरण साबित होती है। जरूरत इस बात की है कि खासतौर पर ज्यादा लोगों के जमा होने वाली इमारतों में आग लगने या किसी भी अन्य वजह से जोखिम पैदा होने की आशंका वाली जगहों के सुरक्षा इंतजामों को लेकर कोई समझौता न हो। साथ ही नियमों की अनदेखी करने या उन्हें ताक पर रखकर गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ उचित सख्ती बरती जाए।

संघर्ष की छाया से बाहर नहीं निकल पा रहा मणिपुर

मणिपुर में सरकार के तमाम दावों के बावजूद हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। सामुदायिक संघर्ष, उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता और सुरक्षाबलों की उदासीनता से राज्य में कानून-व्यवस्था फिर से पटरी से उतरती प्रतीत हो रही है। ऐसे में शांति कायम करने की दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति, गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव भी साफ नजर आता है। यही वजह है कि राज्य में उग्रवादियों के लक्षित हमले, आमजन को बंधक बनाने, निर्दोष लोगों की हत्या करने, आगजनी और इन वारदातों के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। शुक्रवार को भी कांगपोकपी जिले में एक गांव पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और गोलीबारी में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सवाल है कि आखिर हिंसा की यह चिंगारी अंदर ही अंदर क्यों सुलगती जा रही है? दरअसल, यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की ही समस्या नहीं है, बल्कि आम लोगों में पनप रहा अविश्वास और असुरक्षा की भावना भी इसकी बड़ी वजह है। गौरतलब है कि मणिपुर बीते तीन साल से भी

अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच राज्य और केंद्र सरकारों की ओर से हालात पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए गए, लेकिन अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आए। हालांकि, पिछले कुछ समय में राज्य में हिंसक घटनाओं में कमी देखी गई, लेकिन इन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। राज्य सरकार का दावा है कि हिंसक वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आते हैं। यह बात सच है कि केवल सामाजिक मतभेद इतने लंबे समय तक हिंसा को जीवित नहीं रख सकते। असली समस्या तब पैदा होती है जब लोगों का सरकार और प्रशासन पर भरोसा टूटने लगता है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि राज्य में उग्रवादी समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए, हिंसक घटनाओं में तत्काल कार्रवाई की जाए और आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए सरकार स्थायी समाधान तलाशने का प्रयास करे।

आज का कार्टून

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय

आवेश में लिया गया फैसला नहीं लंबे चिंतन का दिखाई देता निष्कर्ष

> तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है।

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं।

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन 'वी द लीडर' की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति

में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दर्शाती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

कंपनियों को पांच ताकतों का सामना एकजुट होकर करना होगा

> भारत के कॉर्पोरेट जगत के नेता अब अनिश्चितताओं से सहज महसूस करने लगे हैं। देश की संरचनात्मक वृद्धि बरकरार है। घरेलू मांग स्थिर है, उपभोक्ता वर्ग महत्वाकांक्षी है और नीतिगत माहौल व्यापक रूप से अनुकूल है। फिर भी, विकास का मार्ग पहले कभी इतना जटिल नहीं रहा। भू-राजनीति, तकनीकी व्यवधान और स्थिरता, वार्षिक नियोजन चक्रों की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से प्रतिस्पर्धी गतिशीलता को नया आकार दे रहे हैं।

दीपक शर्मा/रोहित प्रसाद

इस तिमाही में 25 क्षेत्रों की 1,000 से अधिक कंपनियों के अर्निंग्स कॉल के कानविक विश्लेषण से पता चलता है कि बोर्डरूम कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के तेजी से बढ़ते उपयोग, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, बढ़ती मुद्रास्फीति और प्रीमियम उत्पादों की ओर व्यापक बदलाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। चौंकाने वाली बात इन दबावों की मौजूदगी नहीं, बल्कि इन सभी को एक साथ जिस हद तक संभालना आवश्यक है, वह है। हर बोर्ड में एक ही मुद्दा हावी है-कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता, जिसका जिक्र तिमाही-दर-तिमाही 32 प्रतिशत बढ़ रहा है। जो कभी तेल, गैस और धातुओं तक ही सीमित था, अब उसका दायरा भी बढ़ गया है। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफ.एम.सी.जी.) कंपनियां सोया, पाम, गेहूं और सूरजमुखी के तेल में होने वाले उतार-चढ़ाव को उपभोक्ताओं की पसंद और मुनाफे पर सीधा असर डालने वाला कारक बता रही हैं। निर्माण कंपनियां कच्चे माल की लागत को अपनी सबसे बड़ी इ्क्षचता बता रही हैं। उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव सकल मुनाफे को नुकसान पहुंचा रहा है। धातु क्षेत्र में, बुनियादी ढांचे के विकास के चलते इस्पात की मांग में वृद्धि बताई जा रही है। फिर भी, इनपुट लागतों में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण मुनाफे का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है।

ए.आई. अब सिर्फ तकनीकी चर्चा का विषय नहीं रह गया, तिमाही दर तिमाही इसकी

चर्चा में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भवन निर्माण सामग्री और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में पहली बार इतनी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय सेवाओं में 400 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र में 240 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सीमैंट कंपनियां ए.आई.-सक्षम केंद्रीय नियंत्रण प्रणालियों को लागू कर रही हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनियां दस्तावेजीकरण को स्वचालित करने के लिए एजेंटिक ए.आई. का उपयोग कर रही हैं। खुदरा क्षेत्र में, बाजार की वृद्धि और उपभोक्ता विश्वास के साथ-साथ ए.आई. चर्चा के शीर्ष तीन विषयों में शामिल हो गया है।

व्यापार नीति पर चर्चा स्थिर रही लेकिन बातचीत अधिक तीखी और क्षेत्र-विशिष्ट हो गई है। यूरोपीय बाजार इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे एक ही भू-राजनीतिक घटनाक्रम किसी कंपनी की स्थिति के आधार पर खतरा या अवसर दोनों का रूप ले सकता है। ऑटोमोटिव कंपोनैंट्स और औद्योगिक मशीनरी के निर्यातकों के लिए, यूरोप में मांग में नरमी और नई टैरिफ संरचनाओं से मुनाफे पर दबाव पड़ रहा है। भारतीय स्पैशलिटी कैमिकल्स और फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए स्थिति उलट है, क्योंकि यूरोपीय प्रतिस्पर्धियों के संयंत्रों के बंद होने से आपूर्ति में कमी आई है जिसे वे पूरा कर सकते हैं। वहीं, भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के चरणबद्ध कार्यान्वयन से वस्त्र, भवन निर्माण सामग्री और स्पैशलिटी मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के लिए निर्यात के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।

उपभोक्ता व्यवहार में तिमाही-दर-तिमाही मामूली 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई लेकिन प्रीमियम उत्पादों पर ज़ोर देना, उच्च मूल्य वाले उत्पादों की ओर एक रणनीतिक बदलाव, लागत दबाव के सबसे व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले उपायों में से एक बनकर उभरा है। यह सभी क्षेत्रों में देखने को मिलता है। मुद्रास्फीति फिर से लौट आई है : इस तिमाही का सबसे तीव्र मात्रात्मक संकेत मुद्रास्फीति से संबंधित उल्लेखों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है, जो सभी विषयों में सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि महंगाई अपने शुरुआती स्तर से नीचे आ गई, लेकिन लागत का दबाव कम नहीं हुआ। औद्योगिक उत्पाद कंपनियां लगातार बढ़ती इनपुट लागत को एक समस्या मानती हैं। वित्तीय सेवाओं में, चर्चा अब उपभोक्ता ऋण की गुणवत्ता, विवेकाधीन खर्च व्यवहार और अर्थव्यवस्था के सुधार की गति जैसे कारकों पर केंद्रित हो गई है।

इन पांचों विषयों को जोडने़ वाली बात यह है कि इनमें से कोई भी अस्थायी नहीं है। कमोडिटी की अस्थिरता, ए.आई. व्यवधान, भू-राजनीतिक विखंडन, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और मुद्रास्फीति चक्र परिचालन परिवेश की संरचनात्मक विशेषताएं हैं, न कि चक्रीय उतार-चढ़ाव। इसके अलावा, उभरते हुए देश वर्तमान अस्थिरता का अधिक बोझ झेल रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियों और व्यापारिक नेताओं के लिए आज की परिस्थितियों से निपटना कठिन हो गया है।इन चुनौतियों का अलग-अलग समाधान करना व्यर्थ साबित हो सकता है। इस परिवेश से सबसे मजबूत होकर उभरने वाली कंपनियां वे होंगी, जो इन कारकों को वैश्विक महाप्रवृत्तियों के परस्पर जुड़े आयामों के रूप में देखेंगी, जिनका समाधान एक ही रणनीतिक प्रश्न के उत्तर से किया जाना चाहिए निरंतर अस्थिरता की दुनिया में टिकाऊ रूप से बढने़ वाला व्यवसाय कैसे बनाया जाए?

टेनिस की नई क्वीन बनीं एंड्रीवा

फ्रेंच ओपन टाइटल जीतने पर मिले 27.7 करोड़, रनर-अप पर भी हुई पैसों की बारिश

पेरिस, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन 2026 के महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। फाइनल में मिरा की भिड़ंत माजा चवालिनस्का से थी। रूसी खिलाड़ी मिरा एंड्री का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिलाड़ी है। उन्होंने पोलैंड की चवासिनस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला करीब डेढ घंटे चला। 19 साल की एंड्रीवा का यह पहला ही ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

मीरा एंड्रीवा पिछले 34 साल में फ्रेंच ओपन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 1992 में मोनिका सेलेस ने 18 साल की उम्र में फ्रेंच ओपन जीता था। मीरा एंड्रीवा 2005 के बाद जन्मी पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कोई ग्रैंड स्लैम जीता है। अभी तक कोई पुरुष खिलाड़ी भी यह कारनामा नहीं कर पाया है।मीरा एंड्रीवा को टेनिस जगत ने पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 साल की उम्र में उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं।

इस बार बंपर इनामी राशि मिली

प्राइज मनी पर नजर डालें तो विजेता और उपविजेता दोनों को ही भारी-भगकम रकम मिली है. खिताबी जीत दर्ज करने वाली मीरा एंड्रीवा को पुरस्कार स्वरूप 2.8 मिलियन यूरो मिले, जो लगभग 3.28 मिलियन डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 27.7 करोड़ रुपये होते हैं. वहीं, उपविजेता रहीं माया च्वॉलिन्स्का को 1.4 मिलियन यूरो की राशि मिली, जो लगभग 1.64 मिलियन डॉलर यानी करीब 13.9 करोड़ रुपये के बराबर है. टूर्नामेंट के अन्य दौरों में बाहर होने वाले खिलाड़ियों को भी इस बार बंपर इनामी राशि मिली है.

माजा तीसरी बार ही ग्रैंड स्लैम खेल रही थीं

24 साल की माजा चवालिनस्का क्वालीफायर के रूप में टूर्नामेंट में पहुंची थी। उनके पास यह खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर बनने का मौका था लेकिन वह चूक गईं। इससे पहले वह सिर्फ दो बार ही ग्रैंड स्लैम के मुख्य दौर में जगह बना पाई थीं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2022 के विंबलडन में आया था, जब वह दूसरे राउंड में पहुंची थीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण एंड्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली। सेमीफाइनल में उन्होंने यूक्रेन की खिलाड़ी मार्ता कोस्त्युक को हराया। इस मैच के बाद कोस्त्युक ने पारंपरिक खेल भावना के विपरीत उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया।

भारतीय महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत की महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा।

रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

भारत ने छठी बार जीता खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोरना चकमा ने दागा।

पहले हाफ में बराबरी पर पहुंचा बांग्लादेश

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। कई मौकों के बाद 42वें मिनट में प्यारी ज़ाक्सा ने शानदार गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बांग्लादेश की रितु पोरना चकमा ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह पूरे टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ हुआ पहला गोल था।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 46वें मिनट में प्यारी जाक्सा के शानदार क्रॉस पर सैनफिदा नोंगरुम ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में बांग्लादेश की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए स्थानापन्न खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने तीसरा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

पूरे टूर्नामेंट में रहा भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मालदीव पर 11-0 की बड़ी जीत से की थी, जबकि ग्रुप चरण में बांग्लादेश को भी 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया, जो उसके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप का पिछला खिताब 2019 में जीता था। इसके बाद 2022 और 2024 में बांग्लादेश ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस बार भारतीय टीम ने दमदार वापसी करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा सर्वोच्च स्कोर

2023 के बाद भारत ने घरेलू टेस्ट मैच में बनाए 550+ रन

मुल्लांपुर। भारतीय टीम ने कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के शतकों की मदद से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने मुल्लांपुर में खेले जा रहे इस मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। भारत के लिए इस मैच में कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक जड़े। वहीं, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतकीय पारी खेली।

अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ाई 5 विकेट 113 रन

अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम पूरी तरह हावी हो गई है। उसने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह और अफसर जजई क्रीज पर हैं।प्रसिद्ध कृष्णा ने हश्मतुल्लाह शाहिदी (20) और सेदीकुल्लाह अटल (17) को आउट किया। वहीं, मानव सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज (12) को स्लिप में साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच के पहले ही ओवर में अब्दुल मलिक को कैच आउट कराया।

घरेलू पिच पर किया दमदार प्रदर्शन

अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में भारत को मजबूत टीमों का सामना करना है। यही कारण है कि भारत के लिए यह मैच काफी अहम है। भारत पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी टेस्ट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने 2023 के बाद पहली बार टेस्ट में घरेलू मैदान पर 550 रनों का आंकड़ा पार किया। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए मैच में 571 रन बनाए थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी

इससे पहले, शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने टेस्ट के दूसरे दिन 169 रनों की साझेदारी निभाते हुए इतिहास रच दिया। पंत और गिल द्वारा की गई ये साझेदारी अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से की गई किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है। टेस्ट के दूसरे दिन गिल और पंत ने मिलकर 48 रन और जोड़े। भारतीय कप्तान 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में गिल ने 15 चौके और एक छक्का लगाया। टेस्ट के पहले दिन भी भारतीय बल्लेबाजों का जलवा रहा। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। यशस्वी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 24 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद राहुल को साई सुदर्शन के रूप में बढ़िया जोड़ीदार मिला। राहुल-सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 184 गेंदों में 139 रनों की अहम साझेदारी निभाई। सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए 81 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 13 चौके लगाए। वहीं, राहुल ने अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया और 165 गेंदों में 100 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजी क्रम के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए।

सलीम सैफी ने किया प्रभावित- अफगानिस्तान के लिए इस मैच में सबसे सफल गेंदबाज मोहम्मद सलीम सैफी रहे। सलीम ने इस मैच में 140 रन लुटाकर छह विकेट लिए। वह टेस्ट में फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले अफगानिस्तान के तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले जियाउर रहमान और निजात मसूद ऐसा कर चुके हैं।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी, मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे।

भविष्य के प्लान पर भी रखी राय

10-20 वर्षों तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, एजेंसी।आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 वर्ष तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

चयनकर्ताओं को किया प्रभावित

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए।

रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग-11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार बनी हैं चैंपियन

महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था। साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670